



असम, पश्चिम बंगाल समेत 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विस चुनाव की घोषणा

बंगाल में 23-29 अप्रैल, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान, बाकी राज्यों में 9 अप्रैल को होगी वोटिंग, 4 मई को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने रविवार को असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अहम जानकारीयां साझा की। असम, केरल और पुडुचेरी में एक चरण में 9 अप्रैल को चुनाव होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। जबकि, तमिलनाडु में एक चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा। इन सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश के चुनावों के नतीजे 4 मई को जारी किए जाएंगे।

पांचों राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चुनाव की घोषणा होने के साथ ही तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि आयोग ने पिछले कुछ दिनों में सभी चुनावी राज्यों का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की है और राजनीतिक दलों, अधिकारियों तथा मतदाताओं से बातचीत की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग की टीम ने इन राज्यों में जाकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान सभी राजनीतिक दलों से मुलाकात कर उनके सुझाव भी लिए गए। साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, राज्य निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस महानिदेशकों से भी विस्तृत चर्चा की गई।



इलेक्शन की डेट

राज्य / केंद्र शासित प्रदेश	इलेक्शन की डेट
पश्चिम बंगाल	23 अप्रैल, 29 अप्रैल
तमिलनाडु	23 अप्रैल
केरल	9 अप्रैल
पुडुचेरी	9 अप्रैल
असम	9 अप्रैल



उन्होंने बताया कि आयोग ने युवाओं और पहली बार मतदान करने जा रहे मतदाताओं से भी संवाद किया। इसके अलावा चुनाव प्रक्रिया को सुचारू बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले बृथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) के काम की भी सराहना की गई। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा कि ये पांचों राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे से काफी अलग हैं। ऐसे में निष्पक्ष और

पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराया गया, ताकि कोई भी योग्य मतदाता वोट देने से वंचित न रह जाए और कोई अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो सके। उन्होंने कहा, 'स्वच्छ मतदाता सूची लोकतंत्र की आत्मा होती है। इसलिए हमने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया कि सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल हो।' सीईसी ने युवाओं से

विशेष अपील करते हुए कहा कि वे अपने मतधिकार का गर्व और जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा, 'मैं युवाओं से कहना चाहता हूँ कि अब आप एक बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने जा रहे हैं, मतदान का अधिकार। अपने वोट का इस्तेमाल गर्व और जिम्मेदारी के साथ करें। आपका वोट आपकी आवाज है।' चुनाव का पर्व हम सबका गर्व है।'

चुनाव आयोग के अनुसार इन

पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने मतधिकार का प्रयोग करेंगे। यह संख्या ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा जैसे कई देशों की कुल आबादी के बराबर है। सीईसी ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए 2.19 लाख मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा पूरे चुनाव को निष्पक्ष और सुचारु तरीके से कराने के लिए करीब 25 लाख चुनाव अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त को मुताबिक चुनाव में करीब 8.50 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे, ताकि मतदान शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में हो सके।

राज्यों के हिसाब से मतदाताओं की संख्या भी साझा की गई। आयोग के अनुसार पश्चिम बंगाल में कुल 6.44 करोड़ मतदाता हैं, जबकि असम में करीब 2.5 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। सीईसी ने बताया कि चुनाव के दौरान कुछ विशेष व्यवस्थाएं भी की गई हैं। कई स्थानों पर पिक बूथ बनाए जाएंगे, जहां पूरी व्यवस्था महिला कर्मियों द्वारा संचाली जाएगी।

इसके अलावा, आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदान के बाद तुरंत मतदान प्रतिशत की जानकारी जारी की जाएगी। मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी, और मतदाताओं को उन्हें फोन बूथ के बाहर रखना होगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिणी असम के सिलचर में लगभग 23,550 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उनका उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य बराक घाटी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में संपर्क को बढ़ावा देना, कृषि शिक्षा को मजबूत करना और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाना है। इन परियोजनाओं की शुरूआत कछार जिले के सिलचर में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान की गई। इसमें प्रधानमंत्री ने कई बड़ी बुनियादी ढांचागत पहलों के लिए भूमि पूजन भी किया। पीएम मोदी शुक्रवार को राज्य के दो दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे थे।

शिलांग-सिलचर कॉरिडोर

यहां आयोजित हुए कार्यक्रम में 166 किलोमीटर लंबे शिलांग-सिलचर कॉरिडोर की आधारशिला भी रखी गयी। यह पूर्वोत्तर का पहला एक्सप्रेस-निर्गमित, ग्रीनफील्ड और चार-लेन वाला हाई-स्पीड कॉरिडोर है। लगभग 22,860 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह एक्सप्रेसवे मेघालय के शिलांग को असम के सिलचर से जोड़ेगा। यह गलियावा गुवाहाटी और सिलचर के बीच की यात्रा के समय को करीब साढ़े आठ घंटे से घटाकर लगभग पाँच घंटे कर देगा।

इस कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ये परियोजनाएं इस क्षेत्र में संपर्क मजबूत करेंगी और कृषि शिक्षा में सुधार लाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश और व्यापार नीति में पूर्वोत्तर के बढ़ते महत्व को भी प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने कहा, 'आज, पूर्वोत्तर देश की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के केंद्र में है। यह भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने वाले



● प्रधानमंत्री ने दक्षिणी असम के सिलचर में लगभग 23,550 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उनका उद्घाटन किया।

एक सेतु के रूप में उभर रहा है।'

पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए बड़ी सड़क परियोजना

प्रधानमंत्री ने यहां कैपिटल पॉइंट के पास ट्रंक रोड से लेकर रंगिरखरि पॉइंट तक, राष्ट्रीय राजमार्ग 306 पर बनने वाले एक एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए भी भूमि पूजन किया। उम्मीद है कि यह परियोजना शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक पर भीड़भाड़ को कम करेगी और मिजोरम, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे पड़ोसी राज्यों से आवाजाही में सुधार करेगी, साथ ही बराक घाटी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। पीएम मोदी ने करीमगंज जिले के पाथरकांडी में एक नए कृषि महाविद्यालय की आधारशिला रखी। यह संस्थान दक्षिणी असम में कृषि शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर

बनाएगा, और बराक घाटी तथा आस-पास के क्षेत्रों के छात्रों को कृषि में उच्च शिक्षा तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगा। इस क्षेत्र में किसानों और बागान श्रमिकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, श्री मोदी ने कहा कि असम के विकास में उनका योगदान बहुत खास रहा है। उन्होंने कहा, 'बराक घाटी के किसानों और यहाँ के चाय बागान के श्रमिकों ने असम के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है।' प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों और गाँवों के विकास के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'हम सीमा पर बसे गाँवों को देश का पहला गुरु मानते हैं।' 'इसलिए, सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए, 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का अगला चरण कछार जिले से ही शुरू किया गया। इससे यह भी सुनिश्चित हुआ है कि बराक घाटी के कई गाँवों में सुधार देखने को मिलेगा।'

प्रधानमंत्री मोदी ने 'असम माला 3.0' का भूमि पूजन भी किया। यह 3,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली एक प्रमुख सड़क बुनियादी ढांचा परियोजना है। इस पहल के तहत पूरे असम में 900 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

कांशीराम जयंती पर मायावती ने किया नमन...

बोलीं- सपा का पीडीए प्रेम छलावा, विरोधी पार्टियों की कथनी-करनी में अंतर

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो ने मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आह्वान किया कि बहुजन समाज के लोग बसपा मूवमेंट से जुड़कर मिशनरी अंबेडकरवादी बनें। अपने वोटों की शक्ति से सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करें। बसपा ही डॉ. अंबेडकर के नक्शे-कदम पर चलने वाली 'असली पार्टी' है। सपा व अन्य विरोधी दलों की कथनी व करनी में बड़ा अंतर है। सांसदी और विधायकी आदि का प्रलोभन देकर बहुजन समाज के वोट की शक्ति को कमजोर करने वाले इन दलों के साथ निजी लाभ व स्वार्थ के लिए पार्टी व मूवमेंट से दगा करने वालों से भी दूरी रखनी जरूरी है।

मायावती ने कहा कि दलितों, अन्य

लखनऊ और नोएडा में आयोजन

मायावती के निर्देश पर राजधानी के कांशीराम स्मारक स्थल पर प्रदेश के 12 मंडलों और नोएडा में छह मंडलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों का जमावड़ा लगा। राजधानी में आयोजित कार्यक्रम को बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल समेत कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इसके अलावा आठ अन्य राज्यों में भी पार्टी ने कांशीराम जयंती पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया। पार्टी के केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद ने राजस्थान के भरतपुर में जनसभा को संबोधित किया।



पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का शोषण करने वाली पार्टियों में से खासकर सपा का पीडीए प्रेम छलावा है। इनको इन वर्गों व इनके महापुरुषों की

याद केवल चुनाव के समय में ही आती है। सरकार बन जाने के बाद वह भी दूसरी पार्टियों की इन वर्गों का तिरस्कार कर देती है। यह कोई आरोप नहीं,

बल्कि इन पार्टियों का इतिहास है। मुस्लिम समाज का इन पार्टियों से अलग होना तथा ब्राह्मण समाज के भी बसपा से जुड़ने से सपा का राजनीतिक व जातिवाद बर बढ़ता जा रहा है।

भारत रब देने में नहीं करें देरी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तरह वर्तमान भाजपा सरकार भी कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने में और देरी ना करे। समतामूलक समाज तैयार करने में कांशीराम का योगदान ऐतिहासिक है। इसी वजह से वह लोगों के दिलों में बसते हैं। उन्होंने बहुजन समाज को बसपा के बैनर तले एकजुट करके राजनीतिक शक्ति बनाई और यूपी जैसे महत्वपूर्ण राज्य में मुझे मुख्यमंत्री बनाया।

व्यक्ति, जाति, पंथ या संप्रदाय की आस्था पर अमर्यादित टिप्पणी अस्वीकार्य, भर्ती परीक्षा के प्रश्न पर सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में प्रश्न पत्र संबंधी मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रवैया अपनाया है। मुख्यमंत्री ने सभी भर्ती बोर्ड के चेयरपर्सन को निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न हो। ऐसी टिप्पणी किसी भी सूत्र में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका सज्ञान लेते हुए सभी पेपर सेटर्स को भी निर्देशित करें। हैबिचुअल ऑफिंडर्स को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए। यह विषय पेपर सेटर्स के एमओयू का भी हिस्सा बनाए।

दरोगा भर्ती परीक्षा के सवाल पर यूपी सरकार की ओर से पहले ही जांच के आदेश जारी किए गए हैं। दरअसल,



पुलिस भर्ती परीक्षा में एक सवाल पृष्ठ गया था, 'अवसर के अनुसार कौन बदलते हैं'?

इसके जवाब में विकल्प के तौर पर पंडित दिया गया था। सोशल मीडिया पर मामला वायरल होने के बाद डिप्टी सीएम ने कड़ी कार्रवाई का भरोसा

दिलाया। वहीं, मामले में कई भाजपा विधायकों ने सीएम योगी को पत्र लिखा था। मामले में जांच के निर्देश के साथ जिम्मेदारों पर कार्रवाई का आदेश जारी किया गया है। अब सीएम योगी ने भी मामले में सख्त रुख अपनाया है। सभी जांच बोर्ड को इस संबंध में निर्देश जारी

किए गए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हुई वर्षा से फसलों को होने वाले नुकसान संबंधी जानकारी ली। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी डीएम समेत सभी अधिकारियों को फील्ड में रहकर किसानों से संवाद करने और उनकी फसलों के नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने यह भी निर्देश दिया कि राहत आयुक्त फील्ड के अधिकारियों से सीधा समन्वय रखें। साथ ही, फसलों को होने वाली क्षति का आकलन प्राप्त कर समय पर मुआवजे के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

शराब घोटाला केस: हाईकोर्ट ने केजरीवाल-सिसोदिया और बाकी को जवाब दाखिल करने का दिया समय, 6 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली। कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और इस मामले के अन्य आरोपियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 6 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

नोटिस के बाद भी केजरीवाल या अन्य किसी आरोपी के द्वारा जवाब दाखिल नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान सीबीआई की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह हर बार आरोप लगाकर भाग जाते हैं, न्यायिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा कि वह कुछ समय चाहते हैं



क्योंकि इस मामले में बेंच बदलने के लिए सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है। जिसपर अदालत ने केजरीवाल की मांग पर जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया। बता दें कि कथित दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक

और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा कुल 23 आरोपियों को आरोपमुक्त किया था। कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में जज बदलने की मांग को लेकर अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पहले केजरीवाल ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर मामले की सुनवाई किसी अन्य पीठ को सौंपने का अनुरोध किया था।

गाजियाबाद।

गाजियाबाद के साहिबबाबाद में रहने वाले हरीश राणा को अंतिम विदाई देने के लिए साहिबबाबाद स्थित मोहन नगर में संचालित ब्रह्मकुमारी केंद्र के प्रभु मिलन भवन की बहन कुमारी लवली दीदी 13 मार्च को उनके घर पहुंचीं। यहां उन्होंने हरीश के माथे पर पहले चंदन का तिलक लगाया और उसके बाद अंतिम विदाई दी।

उन्होंने कहा कि सब को सबको माफ करते हुए और सबसे माफ़ी मांगते हुए सो जाओ...ठीक है।। वीके लवली ने बताया कि उन्होंने हरीश के लिए मेडिटेशन भी किया। साथ ही उसे शांति से अंतिम विदाई दी। हरीश के माता-पिता को भी ढाढस बंधाया।

हरीश की बचपन की यादें साझा करते हुए निर्मला देवी की आंखें हुईं नम



अमर उजाला से बातचीत में निर्मला देवी ने बेटे की बचपन की यादें साझा कीं। इस दौरान कई बार उनकी आवाज भर्रा गई और आंखों से आंसू छलक पड़े। 'पिछले 13 साल से देख रही हूं बेटे की पीड़ा, अब सहा नहीं जाता'

अमर उजाला से बातचीत में निर्मला देवी ने बेटे की बचपन की यादें साझा कीं। इस दौरान कई बार उनकी आवाज भर्रा गई और आंखों से आंसू छलक पड़े। 'पिछले 13 साल से देख रही हूं बेटे की पीड़ा, अब सहा नहीं जाता'



अमर उजाला से बातचीत में निर्मला देवी ने बेटे की बचपन की यादें साझा कीं। इस दौरान कई बार उनकी आवाज भर्रा गई और आंखों से आंसू छलक पड़े। 'पिछले 13 साल से देख रही हूं बेटे की पीड़ा, अब सहा नहीं जाता'

मां का छलका दर्द... मैं डांटती तो छिप जाता, फिर आकर गले लग जाता

“हरीश बचपन में बहुत शरारती था। मैं उसे डांटती तो किसी कोने में जाकर छिप जाता। थोड़ी देर बाद फिर आकर गुपचाप मेरे गले लग जाता। मेरे चेहरे को सहलाने लगता। पहला बच्चा था, इसलिए घर में सबसे ज्यादा लाड़-प्यार उसी को मिला।” यह कहना है उनकी मां निर्मला देवी का।

जीवन भर बिस्तर पर रहने को मजबूर हो गए। हरीश के असहनीय दर्द और शारीरिक अक्षमता के कारण माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट में इच्छामृत्यु की अपील की, जिसे 8 जुलाई 2025 को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। करीब आठ महीने बाद 11 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति दे दी।

गैस आपूर्ति को लेकर प्रशासन सख्त, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

जिलाधिकारी व एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर ने की समीक्षा बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनपद में गैस सिलेंडर और पीएनजी की आपूर्ति को लेकर फैली अफवाहों के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जनपद में गैस की कोई कमी नहीं है। गैस सिलेंडर और पीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। अफवाहों के कारण अचानक गैस बुकिंग बढ़ने से सर्वर पर लोड बढ़ गया है, जिसके चलते कुछ तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी।

महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ और एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर राज करन नैय्यर की अध्यक्षता में गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, जिला आपूर्ति

■ **जनपद में गैस सिलेंडर और पीएनजी की उपलब्धता बताई पर्याप्त**

अधिकारी अमित तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में गैस बुकिंग, वितरण और उपलब्धता की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करना तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना था। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बैठक में जानकारी दी कि जनपद में वर्तमान में कुल 96 गैस एजेंसियां संचालित हो रही हैं, जिनके माध्यम से लगभग 12 लाख घरेलू गैस कनेक्शन जारी किए गए हैं। इन एजेंसियों के जरिए प्रतिदिन लगभग 20 हजार घरेलू गैस सिलेंडर रिफिल का उपभोग किया जा रहा है। सभी गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर रिफिल का स्टॉक उपलब्ध है और वितरण की प्रक्रिया लगातार जारी है।



उन्होंने यह भी बताया कि जनपद में घरेलू पीएनजी कनेक्शनों की संख्या लगभग 3.50 लाख है, जबकि करीब 1500 व्यावसायिक पीएनजी कनेक्शन भी सक्रिय हैं। इन सभी कनेक्शनों के माध्यम से पीएनजी की आपूर्ति भी नियमित रूप से संचालित हो रही है और किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। बैठक के दौरान यह भी सामने आया कि हाल के दिनों में कुछ बेबुनियाद अफवाहों के कारण उपभोक्ताओं द्वारा अत्यधिक संख्या

में गैस सिलेंडर बुकिंग कराई जा रही है। अचानक बढ़ी बुकिंग के कारण गैस कंपनियों के सर्वर पर अत्यधिक दबाव पड़ गया है, जिससे कई उपभोक्ताओं को बुकिंग के दौरान तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन का कहना है कि यह समस्या अस्थायी है और अगले एक-दो दिनों में सर्वर सामान्य हो जाएगा, जिसके बाद गैस बुकिंग और वितरण की प्रक्रिया पहले की तरह सुचारु रूप से चलने लगेगी।

घरों तक पहुंचेगा गैस सिलेंडर

जिलाधिकारी ने उपभोक्ताओं से अपील की कि गैस बुकिंग कराने के बाद गैस एजेंसी पर जाने की आवश्यकता नहीं है। गैस सिलेंडर पहले की तरह उपभोक्ताओं के घर तक ही पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर ध्यान देने की बजाय लोग आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और अनावश्यक रूप से गैस एजेंसियों पर भीड़ न लगाएं। किसी भी प्रकार की समस्या, शिकायत या जानकारी के लिए जिला प्रशासन की ओर से हेल्पलाइन नंबर 0120-3761964 जारी किया गया है। इस नंबर पर संपर्क कर उपभोक्ता गैस आपूर्ति से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर राज करन नैय्यर ने भी नागरिकों से अपील की कि गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और पैकिंग की स्थिति उत्पन्न न करें। उन्होंने कहा कि यदि कहीं असुरक्षा या अव्यवस्था की स्थिति दिखाई दे तो तुरंत 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों से बचें, संयम बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें, ताकि गैस वितरण व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होती रहे।



जनगणना 2027 की कार्यवाही को गति देने के लिए नगर आयुक्त ने की बैठक

लखनऊ से आई विशेषज्ञों की टीम ने निगम अधिकारियों को दिया जनगणना प्रशिक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनगणना-2027 संबंधित कार्यों को गति देने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी के रूप में अधिकारियों संग बैठक की। अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव नगर जनगणना अधिकारी एवं जेनरल प्रभारी चार्ज अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे।



■ **संयुक्त निदेशक अरविंद कुमार राय, उपनिदेशक अभिमन्यु सिंह, सहायक निदेशक अरुण सिंह ने आवश्यक प्रस्तुतीकरण भी दिया**



स्व गणना की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जो कि 21 मई तक रहेगी, 22 मई से 20 जून 2026 तक मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण कराया जाएगा। प्रभारी जनगणना का चार्ज डॉक्टर अनुज उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी को दिया गया है।

अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रचार प्रसार की व्यवस्था के लिए भी कार्य योजना बनाई जा रही है। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत

जन मानस को जागरूक करने हेतु बैनर, पोस्टर, होर्डिंग, सोशल मीडिया का सहयोग लेकर जन जन को जागरूक किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा मकान सूचीकरण हेतु ट्रेनिंग ली गई। निदेशक जनगणना निदेशालय अरविंद कुमार राय संयुक्त द्वारा उपस्थित जनों के मकान सूचीकरण हेतु संशय को भी दूर किया। मकान सूचीकरण ब्लॉक के गठन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया गया।

के लिए निर्देशित किया गया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि जनगणना निदेशालय से विशेषज्ञों की टीम ने भारत की जनगणना 2027 संबंधित विभाग, राजस्व निरीक्षक तथा कर निरीक्षक द्वितीय को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य योजना बनाते

सिंह, सहायक निदेशक अरुण सिंह द्वारा आवश्यक प्रस्तुतीकरण भी दिया गया।

नगरायुक्त ने बताया कि प्रथम चरण में प्रारंभ होने वाले मकान की गणना को जाएगा, इससे लिए मकान सूचीकरण ब्लॉक का गठन किया जाना है। 7 मई 2026 से मकान की

एडिशनल कमिश्नर ने सुनी जनता की समस्याएं, कई थानेदारों की लगाई क्लास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कमिश्नरेट पुलिस व्यवस्था के तहत लोगों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों द्वारा लगातार जनसुनवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय पर पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र व

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं और शिकायतें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के समक्ष रखीं। इनमें भूमि विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, पारिवारिक विवाद और अन्य पुलिस से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारी और



अधिकारियों को मामले की जांच कर निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई करने

के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान केशव कुमार चौधरी ने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी पुलिस अधिकारी जनता के साथ

संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करें। किसी भी शिकायत को हल्के में न लेते हुए उसकी निष्पक्ष जांच की जाए और जो भी तथ्य सामने आए उसके आधार पर उचित कार्रवाई की जाए।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों की समस्याओं को सीधे सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना है। इससे पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत होता है और लोगों

को अपनी बात रखने का बेहतर अवसर मिलता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों पर नियमित रूप से फॉलोअप किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उनका समाधान तब समय सीमा के भीतर हो। पुलिस प्रशासन का लक्ष्य है कि हर शिकायत का निष्पक्ष और प्राथमिकी तरीके से समाधान किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवा मिल सके।

घरेलू गैस सिलेंडर की जमाखोरी पर चला प्रशासन का डंडा

मोदीनगर में छापेमारी में 14 सिलेंडर जब्त



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाज़ियाबाद। घरेलू गैस सिलेंडरों की जमाखोरी, अवैध भंडारण और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। डीएम के निर्देश पर सभी उपजिलाधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन और आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीमों का गठन हुआ जो जिले भर में लगातार जांच और छापेमारी कर रही हैं। इसी क्रम में आपूर्ति विभाग की टीम ने मोदीनगर तहसील के ग्राम नाहल में बिम्बिला पेट हाउसवेयर की दुकान पर छापेमारी की। जांच के दौरान दुकान पर 14 घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से

रखे हुए पाए गए। जांच में सामने आया कि जावेद पुत्र शाहिद निवासी नाहली, थाना भोजपुर, इन सिलेंडरों को अवैध रूप से अधिक कीमत पर बेचने के उद्देश्य से जमा कर रहा था। प्रशासन ने मौके पर कार्रवाई करते हुए जावेद के खिलाफ द्रवित पेट्रोलियम गैस विनियमन एवं वितरण आदेश-2000 के उल्लंघन के तहत आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 में मामला दर्ज कराया। जब्त किए गए सभी सिलेंडरों को सिकरी खुर्द गैस एजेंसी को सुपुर्द कर दिया गया है। इसके अलावा हाईप्रिंट डंडा क्षेत्र में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी उमेश चंद द्वारा तीन गैस एजेंसियों- नृद गैस एजेंसी, चंदर गैस



एजेंसी और युनाइटेड गैस एजेंसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए गए कि उपभोक्ताओं की सभी बुकिंग का समय पर होम डिलीवरी के माध्यम से वितरण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता न बरती जाए। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन परिवारों के पास पीएनजी गैस कनेक्शन है, उन्हें एलपीजी गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जाएगी। ऐसे उपभोक्ताओं को सिलेंडर की बुकिंग करने या अनावश्यक भंडारण करने से मना किया गया है। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और सोशल मीडिया पर गैस की कमी से संबंधित झूठी या भ्रामक अफवाहें न फैलाएं। यदि कहीं भी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या अवैध भंडारण की जानकारी मिलती है, तो इसकी शिकायत जिला पूर्ति कार्यालय के कंट्रोल रूम नंबर 01203761964 पर दी जा सकती है।



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल ने कहा है कि अब पूरी धनराशि जमा करके ही नगर निगम के सामुदायिक भवन बुक किये जा सकेंगे। उन्होंने उनके विशेष अधिकार से मिलने वाली छूट पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी है।

गौरतलब है कि गाजियाबाद नगर निगम के सामुदायिक भवन व अविकसित पार्कों की बुकिंग में रियायत (छूट) देने का विशेष अधिकार है।

अब पूरी धनराशि जमा करके ही बुक होंगे नगर निगम के सामुदायिक भवन



■ **महापौर ने विशेष अधिकार से मिलने वाली छूट पर अग्रिम आदेश तक रोक लगाई**

इस कारण महापौर द्वारा समय समय पर जरूरतमंदों को छूट देकर उनकी सहायता की जाती है, लेकिन नगर निगम के दो बाबुओं की मिली भगत से महापौर के फर्जी हस्ताक्षर कर सामुदायिक भवन की बुकिंग किये जाने का खुलासा होने के बाद छूट देना बंद कर दिया गया है। हालांकि इस प्रकरण में सिलप दोनो बाबुओं पर निलंबित की

कार्यवाही भी की गई है। इस सम्बंध में महापौर सुनीता दयाल द्वारा यह निर्णय लिया गया कि विशेष अधिकार से मिलने वाली छूट के माध्यम से होने वाली सामुदायिक भवन व अविकसित पार्कों की बुकिंग को अग्रिम आदेशो तक के लिए बंद किया जाता है और अब सभी प्रकार की बुकिंग पूरी धनराशि जमा करके ही बुक की जाएगी।

गाजियाबाद को अलविदा, गोरखपुर की राह पर डीसीपी पाटिल निमिष दशरथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



की। पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ ने कहा कि पाटिल निमिष दशरथ का गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में कार्यकाल काफी सराहनीय रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अपराध निग्रयण के साथ-साथ पुलिसिंग व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा के कारण पुलिस समाज के साथ-साथ पुलिसिंग व्यवस्था के बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा के कारण पुलिस समाज के साथ-साथ पुलिसिंग व्यवस्था के बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा के कारण पुलिस समाज के साथ-साथ पुलिसिंग व्यवस्था के बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके साथ बिताए समय और उनके कार्यों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा टीम भावना के साथ कार्य किया और पुलिस बल के बीच सकारात्मक माहौल बनाए रखा। इस अवसर पर एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय एवं अपराध केशव चौधरी, एडिशनल पुलिस कमिश्नर कानून-व्यवस्था राजकरन नैय्यर, डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, डीसीपी यातायात त्रिगुण विसेन, एडीसीपी लिपि नगायच सहित अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने पाटिल निमिष दशरथ को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पीएम सूर्य घर योजना की जानकारी के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित

सीडीओ अभिनव गोपाल ने नागरिकों से योजना का लाभ लेने की अपील की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने और उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नेडा कार्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के नागरिक यहां से योजना से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सीडीओ ने बताया कि जनपद का कोई भी बिजली उपभोक्ता यदि अपने घर की छत पर इस योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगवाना चाहता है या योजना की विस्तृत जानकारी लेना चाहता है, तो वह कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 7065381846 पर संपर्क कर सकता है। इसके अलावा नागरिक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नेडा कार्यालय में जाकर भी जानकारी ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से उपभोक्ताओं को योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी की जानकारी दी जाएगी। इसमें बताया जाएगा कि कितने किलोवाट के सोलर पैनल पर कितनी सब्सिडी मिलती है। साथ ही योजना में ऑनलाइन आवेदन किस वेबसाइट पर करना है और आवेदन की पूरी प्रक्रिया क्या होगी, इसकी जानकारी देना है और अब सभी प्रकार की बुकिंग पूरी धनराशि जमा करके ही बुक की जाएगी।



■ **7065381846 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं उपभोक्ता**

अंतर्गत मिलने वाली बैंक लोन की सुविधा और उससे संबंधित प्रक्रिया भी समझाई जाएगी। उपभोक्ताओं को सोलर पैनल के प्रकार जैसे ऑन-ग्रिड, हाइब्रिड पैनल और अन्य तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी दी जाएगी। सीडीओ ने बताया कि डीसीआर और नॉन-डीसीआर पैनल, वाइफेसियल और मोनोफेसियल पैनल से संबंधित तकनीकी जानकारी भी नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अपनी जरूरत के अनुसार सही विकल्प चुन सकें।

उन्होंने यह भी बताया कि जिन उपभोक्ताओं के घरों पर पहले से सोलर पैनल स्थापित हैं और उन्हें किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या शिकायत है, वे भी इस कंट्रोल रूम के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सीडीओ अभिनव गोपाल ने जनपद के नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित कर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा दें और बिजली के बिल में भी बचत करें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन

वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर डाला प्रकाश



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में तीनों विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत मंडलवार पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्गों का सफल आयोजन किया गया। इसी क्रम में राजनगर मंडल

का प्रशिक्षण वर्ग संजय नगर सेक्टर-23 स्थित भगीरथ पब्लिक स्कूल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी के नेतृत्व में किया गया।

दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के विभिन्न सत्रों में वरिष्ठ नेताओं एवं विषय विशेषज्ञों ने कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यप्रणाली, पार्टी की विचारधारा तथा राष्ट्रसेवा के मूल्यों के

विषय में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। प्रथम एवं चतुर्थ सत्र में पूर्व महापौर आशु वर्मा, द्वितीय सत्र में किसान मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य नरेश सिरोही, तृतीय सत्र में गेल निदेशक संजय कश्यप, पंचम सत्र में महानगर उपाध्यक्ष रनीता सिंह, छठे सत्र में सांसद अतुल गर्ग तथा सातवें सत्र में सूचना प्रौद्योगिकी संयोजक मीत गर्ग ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षण वर्ग

के शुभारंभ सत्र में राज्य सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेंद्र कश्यप विशेष आमंत्रित अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाते हैं तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। सांसद अतुल गर्ग ने

अपने संबोधन में कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित सरकारों द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वच्छ भारत अभियान तथा किसानों और निर्धन वर्ग

के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाकर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस प्रशिक्षण वर्ग में पूर्व महापौर आशु वर्मा ने वर्ग प्रभारी तथा प्रदीप चौधरी ने राजनगर मंडल प्रशिक्षण वर्ग नियंत्रक के रूप में

दायित्व निभाते हुए कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। वर्ग प्रभारी आशु वर्मा ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को विचार, संगठन, अनुशासन तथा राष्ट्रसेवा के संकल्प से और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं।

कार्यक्रम में राजनगर मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी, पूर्व अध्यक्ष अमर दत्त शर्मा, डीएन सिंह, सुशील

गौतम, प्रदीप चौहान, पार्षद पप्पू नागर, राजेंद्र तितौरिया, कपिल वशिष्ठ, विनीत शर्मा, कामेश्वर त्यागी, वीरेंद्र सारस्वत, जय कमल अग्रवाल, महामंत्री मनोज गिरी, अभिजीत मुखर्जी, करण शर्मा, मनीष मित्तल, पूजा सिंह, कौशल शर्मा, कौशल तेवतिया, कविता चौहान, ऋतु त्यागी, सुमेधा, अनुज राघव सहित बड़ी संख्या में मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव, 108 कुंडीय हनुमान चालीसा यज्ञ आयोजित

रामलीला मैदान कविनगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। चिन्मय मिशन गाजियाबाद द्वारा मिशन की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अमृत महोत्सव के तहत रविवार को कविनगर स्थित रामलीला मैदान में 108 कुंडीय श्री हनुमान चालीसा यज्ञ का आयोजन किया गया। यह धार्मिक कार्यक्रम स्वामी शारदानंद सरस्वती के निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में हल्की वर्षा के कारण कुछ समय के लिए व्यवधान आया, लेकिन उपस्थित हनुमान भक्तों की श्रद्धा और धैर्य के चलते कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आगे बढ़ा। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से 21 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए यज्ञ में आहुति दी और समष्टि कल्याण की कामना की। इस



आयोजन के मुख्य यजमान कृष्णावतार गर्ग रहे, जिन्होंने मंच पर स्वामी शारदानंद सरस्वती के निर्देशन में यज्ञ की विधिवत पूजा-अर्चना की। यज्ञ के दौरान भक्तों ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हुए भगवान हनुमान की आराधना की। समापन समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा



मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई। इस अवसर पर संजीव गुप्ता, ललित जायसवाल, संत नवनीत प्रिय दास, वेदप्रकाश बंसल, योगेश कंसल और विजय मित्तल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी यज्ञ में श्रद्धापूर्वक आहुति अर्पित की।



कार्यक्रम का संचालन चिन्मय मिशन की ब्रह्मचारिणी प्रणति चैतन्य के मार्गदर्शन में किया गया। संस्थान के अनेक सेवकों और कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नैतिक और

आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत करना है। 'जपें हनुमान बनें गुणवान्' के संदेश को समाज में स्थापित करने के लिए इस यज्ञ का आयोजन किया गया था। यज्ञ में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक वातावरण को और भी भक्ति-मय बना दिया।

जनगणना-2027 की तैयारियों की समीक्षा, डीएम ने कसी कमर



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनगणना-2027 कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांढड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति और आगे की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जनगणना निदेशालय उत्तर प्रदेश के निर्देशों के

तहत जनपद में चल रही तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें प्रगणक ब्लॉकों का गठन, जनगणना सेल की स्थापना, बैंक खाते खोलने की प्रक्रिया और प्रगणक तथा सुपरवाइजरों की अनुमानित संख्या से जुड़े बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र में जनगणना सेल का गठन शीघ्र किया जाए। साथ ही

व्यय के पुनर्भरण के लिए आवश्यक बैंक खाते खोलना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना के लिए प्रगणक ब्लॉकों का निर्धारण, ग्रामवार और वार्डवार नजरी नक्शा तैयार करना तथा मकान सूचीकरण का कार्य समय से पूरा किया जाए। इसके अलावा प्रगणकों और सुपरवाइजरों की नियुक्ति के लिए डेटाबेस तैयार कर सीएमएमएस पोर्टल पर सभी आवश्यक सूचनाएं दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए।

जनता का ध्यान रखना ही मेरा धर्म है: विधायक संजीव शर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर विधायक संजीव शर्मा ने शुक्रवार को आवास विकास परिषद द्वारा सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रैंड के सामने बनाई जा रही सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सड़क और यातायात सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सिद्धार्थ विहार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में काफी राहत मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि सड़क लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहे। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि जनता की समस्याओं का



समाधान करना उनका दायित्व है और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता जनार्दन का ध्यान रखना ही मेरा धर्म है और क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। मीडिया प्रभारी अजय चोपड़ा ने बताया कि विधायक संजीव शर्मा के नेतृत्व में सिद्धार्थ विहार सहित पूरे क्षेत्र में कई विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार योजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रतीक ग्रैंड के सामने

बनने वाली सड़क लंबे समय से क्षेत्र के लोगों की आवश्यकता थी। इसके बनने से स्थानीय निवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और ट्रैफिक व्यवस्था भी सुगम होगी। स्थानीय लोगों ने भी सड़क निर्माण कार्य को लेकर संतोष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि कार्य जल्द पूरा होने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। अधिकारियों ने भी भरोसा दिलाया कि निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा किया जाएगा। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ हिमानी अग्रवाल के द्वारा पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस गाजियाबाद में सम्बंधित मामलों की जनसुनवाई की गई। सदस्य का स्वागत जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, मारपीट, पड़ोसी से विवाद, दहेज उत्पीड़न, आदि के मामले सामने आए। इस दौरान डॉ हिमानी अग्रवाल सदस्य राज्य महिला आयोग द्वारा मौके पर 09 शिकायतों को सुना गया और सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्राप्त शिकायतों पर जल्द का निस्तारण प्राथमिकता पर करें। उन्होंने महिलाओं से कहा कि राज्य महिला आयोग आपके साथ 24 घंटे कदम से कदम मिलाए रखेगा और निर्देशों को बिना डरे अपनी बात कहें। उत्तर प्रदेश



- अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश
- महिलाएं निडर होकर रखें अपनी बात, आयोग 24 घंटे साथ खड़ा है: डॉ. हिमानी अग्रवाल
- महिला सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए सरकार की योजनाओं का लाभ लेने की अपील

सरकार महिला सुरक्षा और स्वावलंबन को केन्द्र में रखकर अनेक योजनाएं चला रही है जिसका लाभ महिलाओं

को उठाना चाहिए और अपने आस-पास की महिलाओं को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।



जनसुनवाई के दौरान एसीपी महिला सलानी अग्रवाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार

पुष्कर, संरक्षण अधिकारी जितेंद्र कुमार, विधि सह परीक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, वन स्टॉप सेंटर मैनेजर प्रीति मलिक, सीडीपीओ शिवानी गुप्ता, महिला थानाध्यक्ष श्वेता, एडीआईओएस सतीश कुमार पांडेय, उप चिकित्साधिकारी डॉ जितेंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कांशीराम जयंती को सपा ने पीडीए भाईचारा दिवस के रूप में मनाया

बहुजन एकता और सामाजिक न्याय के संकल्प के साथ नेताओं-कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिला एवं महानगर समाजवादी पार्टी गाजियाबाद की ओर कांशीराम की 92वीं जयंती पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) भाईचारा दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रचुड़ वर्ग, बहुजन चिंतकों, पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन ने कहा कि कांशीराम ने शोषित, वंचित, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार दिलाने के लिए



आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को एकजुट कर सामाजिक न्याय की जो अलख कांशीराम ने जगाई, वह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। उनका जीवन

संघर्ष, आत्मसम्मान और समान अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा देता है।

महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट ने कहा कि समाजवादी

पार्टी पीडीए एकता के माध्यम से कांशीराम के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार बढ़ने की घटनाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में समाज को एकजुट होकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने जातिवाद और भेदभाव के खिलाफ जीवनभर संघर्ष किया और समाज में समानता का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि कांशीराम का नारा जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी आज भी लोकतंत्र में सामाजिक न्याय की आधारशिला माना जाता है। उनके विचारों और आंदोलनों ने वंचित समाज को मुख्यधारा की राजनीति में

स्थान दिलाने का काम किया। कार्यक्रम में उनके सामाजिक और राजनीतिक योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके पदचिह्नों पर चलकर समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने और सामाजिक भाईचारे को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला महासचिव नितिन त्यागी, महानगर महासचिव राजन कश्यप, राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति, प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग, ताहिर हुसैन, कर्मवीर सिंह, विशाल वर्मा, प्रवेश बैसोया, मनीष बंसल, मनोज पंडित, राज देवी चौधरी, अमन यादव, दुर्गेश चौधरी, किरण कालिया सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाजियाबाद मेयर चैलेंज में टॉप-24 में शामिल होने पर विश्व स्तर पर बढ़ा सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज 2025 में गाजियाबाद विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। विश्व के 24 शहरों में गाजियाबाद को भी शामिल किया गया है। प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट को ओर अधिक बढ़ावा देने के लिए यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम से 1 मिलियन डॉलर की अवार्ड मनी गाजियाबाद नगर निगम को मिलेगी।

प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का भी योगदान लिया जा रहा है जो की सराहनीय है। गाजियाबाद भारत का दूसरा शहर है। जिसके द्वारा ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज में अपनी अलग पहचान बनाई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का पार्षदों द्वारा पुष्प गुच्छ



और प्लांट भेंट कर बधाई दी गई। पार्षद राजीव शर्मा, पार्षद शीतल देओल, पार्षद देवनारायण शर्मा, पार्षद वीरेंद्र त्यागी, पार्षद नितिन, पार्षद नीरज गोयल, पार्षद राजकुमार नागर द्वारा नगर आयुक्त तथा निगम अधिकारियों का सम्मान किया गया। साथ ही शहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भी शुभकामनाएं दी गई। गोबर की समस्या का निस्तारण तथा प्राकृतिक पेंट की शुरुआत हेतु बनाई जा रही योजना की भी सराहना की गई।

गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर जहां पार्षदों द्वारा हर्ष के साथ नगर निगम अधिकारियों तथा नगर आयुक्त को शुभकामनाएं दी गई। वहीं प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट को लेकर अपने विचार भी प्रकट किए गए। पार्षद राजीव शर्मा द्वारा बताया गया ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज 2025 में विश्व स्तर पर सफलता पाना शहर के लिए हर्ष का विषय है। पार्षद शीतल द्वारा बताया गया प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का भी मनोबल बढ़ा है।



सम्पादकीय

क्या पश्चिम एशिया का युद्ध खत्म कर देगा घर की गैस?

पश्चिम एशिया में संघर्ष की वजह से जैसे हालात बन गए हैं और जैसे-जैसे दिन लंबे खिंचते जा रहे हैं, उसके असर का दायरा भी बढ़ने लगा है। युद्ध में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह की रणनीतियां अपनाई जा रही हैं, उसके कारण वैसे देश भी बुरी तरह प्रभावित हो हैं, जो टकराव से दूर हैं। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद समूचा पश्चिम एशिया प्रभावित है और इसका खाड़ी देशों में तेल उत्पादन पर खासा असर पड़ा है। इस बीच ईरान ने जिस तरह होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित कर दिया है, उसके बाद उस मार्ग से होकर दुनिया के कई देशों में तेल की आपूर्ति भी रुक गई है। खासतौर पर भारत में तेल और गैस की दिक्कत जिस रूप में देखी जा रही है, वह कई स्तर पर चिंता पैदा करती है। हालांकि सरकार की

विडंबना यह है कि एक ओर सरकार ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और सुरक्षित बता रही है, दूसरी ओर देश के कई हिस्सों से बाजार में रसोई गैस के लिए अफरा-तफरी की खबरें आ रही हैं। सवाल है कि जब सरकार सब कुछ ठीक होने का आश्वासन दे रही है, जमाखोरी न करने की हिदायत दे रही है, तब भी लोगों के बीच रसोई गैस की कमी होने की आशंका कैसे फैल गई।

के बाद ही नया सिलेंडर मिलने की शर्त लगा दी। शायद यही वजह है कि लोगों के बीच यह धारणा बनी कि आने वाले दिनों में रसोई गैस की किल्लत होने वाली है। इसी के बाद एहतियातन रसोई गैस के सिलेंडर लेने की एक तरह से होड़ मच गई, जिसका फायदा कालाबाजारी करने वालों ने उठाया और कई जगहों से ऊंची कीमतों पर सिलेंडर बेचे जाने की खबरें आईं।इसी तरह, बिजली से चलने वाले चूल्हों की बिक्री में खासा इजाफा देखा गया। अवल तो यह समझना मुश्किल है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध और उसकी वजह से उपजने वाली स्थिति का अनुमान लगाने तथा उसी मुताबिक संकट का सामना करने की तैयारी करने के मामले में सरकार ने उदासीनता क्यों बरती। अब सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम लगाने, जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने की बात कह रही है, लेकिन हकीकत यह है कि रसोई गैस सिलेंडरों की कमी को लेकर लोग आशंकित हैं और कहीं इसके लिए लंबी कतारों में खड़े हैं, तो कहीं ज्यादा पैसे चुकाने पर मजबूर हैं। अगर सरकार का कहना सही है कि रसोई गैस की कमी नहीं है, तो सबसे पहले उसे देश भर में रसोई गैस सिलेंडरों की सहज आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए और अफवाहों पर लगाम लगाना चाहिए। फिर इस अनिवार्य आवश्यकता की श्रेणी में आने वाले सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी न हो, इसके लिए उसे जनजागरुकता फैलाने से लेकर कानूनी कार्रवाई के सभी उपाय अपनाने चाहिए। इस मुश्किल घड़ी में किसी को अपने लिए मुनाफा कमाने का मौका बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

वेदवाणी

उत्तिष्ठताव पश्यतेन्द्रस्य भागमृत्विचयम्
यदि श्रातो जुहोतन यद्यश्रातो ममत्तन ।।
(ऋग्वेद – 10:179:1)

भावार्थ :



प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

उठो, अपने भीतर झाँको,
अवसर तुम्हारी प्रतीक्षा में है।

यदि कृतसंकल्प हो,
तो आह्वान करो।

यदि नहीं, तो अभी ठहरो।।

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुँच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताते वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना



के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संस्थापक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानभाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस

को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए ‘लिविंग विल’ की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुँच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए। हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है। इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के

बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस से यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांति, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे। इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है।

श्रृंगी ऋषि के राम

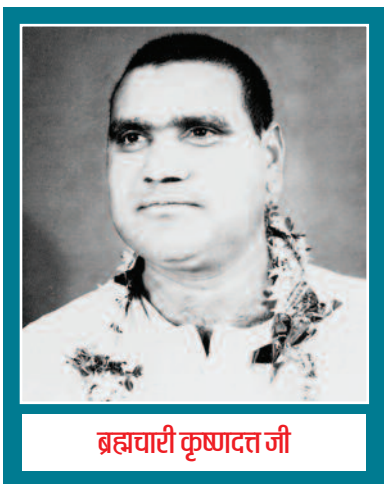
ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्ठि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके द्वारा साक्षात् देखा गया, भगवान-राम का दिव्य जीवन ...

भाग 58
गतांक से आगे ...
एक समय वहाँ कहीं से प्रातःकालीन एक व्याघ्र आ गया। व्याघ्र के आने पर माता सीता ने कहा कि “भगवन् ! यह व्याघ्र आ गया है।” उन्होंने

कहा, “कोई प्रेमी होगा, कोई प्राणी वन्दना करने के लिये आया होगा।” भगवान राम जब व्याघ्र के समीप पहुँचे,तो व्याघ्र अपने वाक्यों में, अपनी वाणी में वाक्य उच्चारण करने लगे। प्रत्येक मानव के हृदय में यह आशंका बनी रहती है कि कशु की वार्ता को राजा कैसे स्वीकार करता है। परन्तु इसके संदर्भ में यह है,कि भगवान राम एक याग करा रहे थे और भी याग हो रहे थे। उसकी अवहेलना में प्रतिपादित होने वाला,जब व्याघ्र वहाँ पहुँचा,तो भगवान राम अपने में वेदों का अध्ययन कर रहे थे। उनके अध्ययन से जो स्वरध्वनियाँ हो रही थीं,उसको वह अपने में श्रवण करने लगे। तो राम बड़े प्रसन्न हुए और उन्होंने व्याघ्र से प्रीति की और व्याघ्र से यह कहा कि “हे व्याघ्र, तेरा जो यह वन है,यह तेरा राष्ट्र है, तेरी राष्ट्रीयता इसमें रहती है, यह हमें बड़ी प्रसन्नता है कि तुम्हारे राष्ट्र में हम भी भ्रमण कर रहे हैं। परन्तु तुम भी प्राणी हो, हम भी प्राणी हैं और प्राणी-प्राणी अपने में प्रीति करने वाला बने।”वेदध्वनि हो रही है,उस ध्वनि को श्रवण करने के लिये हिंसक प्राणी भी आता है अपनी हिंसा को त्याग रहा है। अहिंसा में परिणित हो रहा है। अपने-अपने कर्तव्य में निहित हो करके अपने जीवन को ऊँचा बनाता है।

एक समय कहीं से भ्रमण करते हुए महाराज अश्वपति राम के समक्ष आ पहुँचे। वे नाना प्रकार के यागों में परिणित रहते थे। उन्होंने राम के समीप पहुँचकर कहा “भगवन् ! कुशल हो?” उन्होंने



कुशलता का उत्तर दिया “सुभूति ब्रहे ”। दोनों ने परस्पर अपनी चर्चा प्रारम्भ की। राम ने कहा “कहो, महाराज! मुझ वनचर के समीप तुम्हारा आगमन कैसे हुआ? यह मुझे नहीं पता, तुम्हारा आगमन क्यों हुआ है।” महाराजा अश्वपति ने कहा “प्रभु ! मैं अपने आसन पर विद्यमान था। यह प्रेरणा हुई, चलो,राम से अपना मिलन करेंगे, वह वन में कहीं प्राप्त हो जायेंगे। तो हम, भगवन् ! आपके समीप आ गये हैं।” उन्होंने कहा “तो तुम क्या चाहते हो?” उन्होंने कहा “प्रभु ! मैं कुछ नहीं चाहता। मैं ‘इदममम’ हूँ। मेरा जो जीवन है, वह

आपकी ही भाँति रहता है। मेरी कोई इच्छा नहीं है, परन्तु मैं कुछ वार्ता प्रकट करने के लिये आया हूँ।” उन्होंने कहा “बोली, क्या वार्ता चाहते हो?” उन्होंने कहा “मुझे अपने राष्ट्र में ऐसा प्रतीत होता है, कि मेरे राष्ट्र में कुछ श्रान्ति के अवशेषों का जन्म होने जा रहा है। अब मैं उसमें क्या करूँ?” भगवान राम ने कहा “उसमें प्रीति की प्रतिभा को लाने का प्रयास करो, क्योंकि जिस राजा के राष्ट्र में, प्रजा में क्रांति आ जाती है, तो वह राजा का ही दोषारोपण होता है, वह राजा दोषी होता है। तो तुम अपने में कहीं दूषित हो।” तो उन्होंने कहा “मैं तो प्रातःकालीन-कुषि उद्गम करके अपना अन्न ग्रहण करता हूँ और विज्ञान-वेत्ताओं के मध्य में विद्यमान होकर वैज्ञानिक यन्त्रों का निर्माण भी होता रहता है और यज्ञशाला में प्रातःकालीन याग करता हूँ और यागों में भी मेरी निष्ठा रहती है। परन्तु और भी नाना प्रकार के क्रियाकलाप मेरे समीप होते रहते हैं। परन्तु मैं आपसे यह जानना चाहता हूँ, भगवन् ! यह मेरे साथ क्या खिलवाड़ होने जा रहा है?” तो उस समय उन्होंने कहा “नहीं, कोई बात नहीं,उन प्रजाओं को शिक्षा दो,उन प्रजाओं को अपना महान् उपदेश दो और यह कहो प्रजाओं ! मैं तुम्हारा स्वामी हूँ। स्वामी की सेवा करना तुम्हारा कर्तव्य है, और सेवा का अभिप्रायः यह है कि राष्ट्र के जो क्रियाकलाप हैं, नियमावली है, उसके आधार पर क्रियाकलाप करना है, तो राष्ट्र में एक महानता की ज्योति अपने में प्राप्त हो जाती है।”क्रमशः ...

आर्थिक आपदा बनता युद्ध, विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा

अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी करते हुए ईरान पर जो हमला किया, वह अमेरिकी कानूनों के हिसाब से भी अवैधानिक है। इस युद्ध के कारण विश्व में गैस और तेल का जो संकट पैदा गया है, उसके समाधान का कोई उपाय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं दिखता। लगता है उन्होंने इस पर कोई विचार ही नहीं किया कि ईरान पर हमले और उसकी जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया से ऊर्जा आपूर्ति में जो बाधाएं खड़ी होंगी, उनसे कैसे निपटा जाएगा।

ईरान इजरायल के साथ खाड़ी के देशों में अमेरिकी सैनिक अड्डों पर भी हमले कर रहा है और उसने होर्मुज समुद्री मार्ग को भी बाधित कर रखा है, जहां से 20-30 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। ईरान ने होर्मुज मार्ग बंद करने और इस चेतावनी के बाद कि दुनिया 200 डालर प्रति बैरल तक तेल खरीदने के लिए तैयार रहे, यह कहा कि यहां से निकलने वाले जहाजों को हमारी नीसेना को सूचित करना होगा, लेकिन जब तक इस मार्ग से गैस और तेल की आपूर्ति निर्बाध ढंग से नहीं होने लगती, तब तक ऊर्जा संकट के

समाधान को लेकर सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता। चूंकि खाड़ी देश तेल-गैस की आपूर्ति होर्मुज से करते हैं, इसलिए वे ईरान के रवेंये पर निर्भर हैं। स्वाभाविक रूप से भारत और चीन जैसे देशों को होर्मुज मार्ग बाधित होने से खासी परेशानी हो रही है, क्योंकि वे अपने ऊर्जा स्रोतों के लिए एक बड़ी हद तक खाड़ी के देशों पर आश्रित हैं। यह राहत की बात है कि भारतीय प्रधानमंत्री की ईरान के राष्ट्रपति और दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता के बाद ईरान ने संकेत दिए कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज से आने देगा।

नई दिल्ली में ईरान के राजदूत ने भी भारत को मित्र देश बताते हुए ऐसे ही सकारात्मक संकेत दिए और दो भारतीय जहाजों को इस जल मार्ग से आने की इजाजत मिल भी गई, लेकिन यह अभी साफ नहीं कि भविष्य में सभी भारतीय जहाज होर्मुज से बिना किसी परेशानी के गुजरते रह सकते हैं या नहीं? खाड़ी के देशों में तेल और गैस का उत्पादन प्रभावित होने और वहां से उनकी आपूर्ति बाधित होते ही उनके दाम बढ़ने लगे हैं और पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा पैदा हो गया है। यह एक नई आर्थिक आपदा



बन रहा है। तेल, गैस, उर्वरकों पर निर्भर तमाम भारतीय उद्योगों के समक्ष भी संकट गहराने लगा है। कुछ तो बंद होने की कगार पर हैं या फिर अपना उत्पादन कम करने को विवश हैं। खाड़ी देशों से तेल और गैस की सप्लाई रुक जाने से भारत समेत विश्व भर में महंगाई बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी पैदा होने का भी खतरा है। इस खतरे के लिए सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ही उत्तरदायी हैं, जिन्होंने अपनी जिद और अहंकार में नतीजों की परवाह किए बिना इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर

हमला बोल दिया। खाड़ी के देशों से तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने से देश में फिलहाल पेट्रोल और डीजल का संकट तो नहीं दिखाई दे रहा है, लेकिन रसोई गैस की किल्लत नजर आने लगी है। रेहड़ी वालों से लेकर रेस्त्रां और होटल तथा आम उपभोक्ता उसकी किल्लत बढ़ती देख रहे हैं। हालांकि पेट्रोलियम तेल हरदीप पुरी दावा कर रहे हैं कि तेल एवं गैस की कमी नहीं है, लेकिन जमाखोरों, कालाबाजारियों के कारण गैस का संकट खड़ा होता दिख रहा है।

मुनाफाखोर इस संकट को अपने लिए एक अवसर के रूप में देख रहे हैं। चूंकि गैस संकट पैदा होने का खतरा पैदा हो गया है, इसलिए आम लोग भी चिंतित हैं। इसका ही नतीजा है कि कई स्थानों पर रसोई गैस एजेंसियों के सामने लंबी-लंबी लाइनें दिख रही हैं। इससे लोग और अधिक आशंकित हो रहे हैं। विपक्षी दल इस आशंका को और हवा दे रहे हैं। हालांकि सरकार ने गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है और हालात पर

नई दिल्ली में ईरान के राजदूत ने भी भारत को मित्र देश बताते हुए ऐसे ही सकारात्मक संकेत दिए और दो भारतीय जहाजों को इस जल मार्ग से आने की इजाजत मिल भी गई, लेकिन यह अभी साफ नहीं कि भविष्य में सभी भारतीय जहाज होर्मुज से बिना किसी परेशानी के गुजरते रह सकते हैं या नहीं? खाड़ी के देशों में तेल और गैस का उत्पादन प्रभावित होने और वहां से उनकी आपूर्ति बाधित होते ही उनके दाम बढ़ने लगे हैं और पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा पैदा हो गया है।

निरानी के लिए एक समिति गठित कर दी है, पर अभी इन कदमों का सकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। यह तब तक नहीं दिखेगा, जब तक राज्य सरकारें गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्ती नहीं बरततीं। यह अच्छा हुआ कि सरकार ने राय्यों को पीडीएस के तहत अतिरिक्त केरोसिन जारी करने का फैसला किया। ईरान पर और हमले की धमकियों के बीच अमेरिका ने भारत समेत अन्य देशों को रूस से तेल खरीदने पर अपनी आपत्ति हटा ली है। यह उसकी मजबूरी को ही दर्शाता है। भारत सरकार रूस से तेल खरीद बढ़ाने के साथ कुछ अन्य देशों से तेल-गैस खरीद के जतन कर रही है, पर जब तक ये सौदे नहीं जाते और तेल-गैस आपूर्ति का रास्ता साफ नहीं होता, तब तक राहत की

सांस नहीं ली जा सकती। भारत उस वेनेजुएला से भी तेल खरीद रहा है, जहां बीते दिनों अमेरिका ने हमला कर वहां के राष्ट्रपति का अपहरण कर लिया था। निःसंदेह वेनेजुएला में तेल के सबसे अधिक भंडार हैं, पर उनसे तेल का दोहन कठिन न है। इस तेल का शोधन भी आसान नहीं। अब इसमें संदेह नहीं कि अमेरिका ने जैसे वेनेजुएला पर बिना सोचे-समझे मनमाने तरीके से हमला किया, वैसे ही ईरान पर। तेल संकट दूर करने के लिए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने अपने इमरजेंसी स्टॉक से 40 करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी किया है, लेकिन इसके बाद भी तेल के दाम सौ डालर पर कर गए हैं। चूंकि ईरान जवाबी हमले करने में अभी भी समर्थ बना हुआ है, इसलिए कहना कठिन है कि युद्ध कब खत्म होगा।

यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है और उसके चलते खाड़ी के देशों से तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित बनी रहती है तो विश्व में ऊर्जा संकट और गहराएगा। इस ऊर्जा संकट के लिए सबसे बड़ा दोषी अमेरिका ही होगा। वह इस युद्ध को जल्द खत्म करने में सक्षम नहीं दिख रहा है। उसके अरबों डालर खर्च हो चुके हैं, पर युद्ध जल्द समाप्त होने के कोई संकेत नहीं। अमेरिका ने सोचा था कि अली खामेनेई को मार देने से ईरान में सत्ता परिवर्तन हो जाएगा, लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ होता नहीं दिखता। मुश्किल यह भी है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई युद्ध खत्म करने के लिए ऐसी शर्तें रख रहे हैं, जिन्हें न तो अमेरिका स्वीकार कर सकता है और न ही खाड़ी के देश।

बागपत में पर्यटन मंत्री ने किया सौन्दर्यकरण एवं पर्यटन विकास की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत के पुरा गांव में स्थित भगवान परशुरामेश्वर महादेव मंदिर भव्य और अलौकिक तीर्थ स्थल है। इसे पुरा महादेव मंदिर के नाम भी जाना जाता है। यह मंदिर पूर्ण रूप से भगवान शिव को समर्पित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मंदिर के गर्भ गुह में दिव्य शिवलिंग की स्थापना स्वयं भगवान परशुराम जी ने की थी।

ग्राम पुरा महादेव में स्थित पौराणिक परशुरामेश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार एवं परशुरामेश्वर महादेव मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसको भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के पुरा महादेव गांव को हेरिटेज श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में भी चुना गया है, जो सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है, जिसे पर्यटन के क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है।



इसी क्रम में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री जयवीर सिंह ने आज जनपद के पुरा महादेव गांव में एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत परशुराम खेडा में ग्राम पुरा में पुरा महादेव मंदिर के पास परशुराम मंदिर का पर्यटन विकास कार्य 1 करोड़ 90 लाख व ग्राम पुरा महादेव का ग्रामीण पर्यटन विकास कार्य 1 करोड़ 25 लाख रुपए की घोषणा की। जिससे मल्टीपर्पज हाल बैच आदि की व्यवस्था की जायेगी। जनपद में पर्यटन विभाग

द्वारा कराये जा रहे सौन्दर्यकरण एवं पर्यटन विकास की परियोजनाओं का लोकार्पण अमर शहीद बाबा समाज सिंह समाधि स्थल के पर्यटन विकास कार्य का 1 करोड़ 8 लाख रुपए की परियोजना का लोकार्पण किया, एवं पुरा महादेव मंदिर परिसर को भव्य और आकर्षक बनाए जाने के लिए 24 करोड़ रुपए की परियोजना व बड़ागांव के त्रिलोक तीर्थ धाम में 1 करोड़ 24 लाख रुपए की परियोजना का शिलान्यास किया। मंत्री ने पुरा महादेव



मंदिर पर पूजन कर जलाभिषेक किया और परियोजना का स्थलीय निरीक्षण भी किया। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कार्य गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। यहां लाखों करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु आयेगी। मंदिर में किया गया कार्य सेवा भाव का होता है, इसमें कोई भी किसी भी तरह की लापरवाही ना हो। मंदिर को भव्य और आकर्षक बनाना ही

सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। जब तीर्थ यात्री यहां तीर्थ करने आयेगी तो उन्हें एक भव्य आकर्षक मंदिर का स्वरूप दिखना चाहिए। इस मंशा के साथ उत्तर प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा यहां पर दूर दराज से पर्यटक पुरा महादेव मंदिर का दर्शन करने आयेगी। दर्शनार्थियों के लिए परशुरामेश्वर महादेव मंदिर एक प्राचीनतम व ऐतिहासिक मंदिर है जिसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार कटिबद्ध है।

मंदिर की भव्यता और दिव्यता व प्राचीनतम ऐतिहासिक स्थल को देखने के लिए दर्शनार्थी दूर दराज स्थलों से जनपद में आयेगी जिससे जनपद को एक तीर्थ स्थलों के रूप में भी एक अलग पहचान मिलेगी।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री केपी मलिक ने कहा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार संकल्पित है। आज जनपद में पर्यटन मंत्री ने आकर जनपद के पर्यटनों को प्रदेश व देश के मानचित्र पर भव्य और आकर्षक बनाए जाने के लिए परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास कर कर आगामी परियोजनाओं की भी स्वीकृति दी है जिससे जनपद की एक अलग पहचान बनेगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अस्मिता लाल, विधायक योगेश धामा, अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व विनोत कुमार उपाध्याय, जिला पंचायत सदस्य रविंद्र, भाजपा जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा, जिला पर्यटन अधिकारी दीपिका सिंह सहित आदि उपस्थित रहे।

विक्रम राणा बने ईट भट्टा निमाता समिति के अध्यक्ष, देवेंद्र महामंत्री



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत)। नगर के छपरोली रोड पर ईट भट्टा निमाता समिति बागपत की बैठक समिति के संरक्षक बिक्रम सिंह कन्देरा की अध्यक्षता और संरक्षक मनोज यादव के संचालन में संपन्न हुई।

बैठक में सर्व सहमति से समिति का चुनाव किया गया, जिसमें विक्रम राणा को जिलाध्यक्ष और देवेन्द्र यादव को महामंत्री निर्वाचित किया गया। बैठक में वक्ताओं ने अपने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा, सी क्यू एम द्वारा आगामी एक माह तक कोयला उपयोग को विकल्प के रूप छूट दी गयी उसके लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया गया।

बन्धवा श्रमिकों उत्पीड़न के नाम पर बिना जांच किए किसी भी तरह की कार्यवाही का विरोध किया। सर्वसहमति से मौसम और ईंधन की मंहगाई से उत्पन्न परिस्थितियों में अपनी ईंटों को उचित दर पर बेचने का आह्वान किया।

नवनिर्गुप्त जिला अध्यक्ष विक्रम सिंह राणा ने कहा कि हम सभी भट्टा मालिक एक दूसरे के साथ हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लेते हैं। बैठक में मुकेश शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विनय कप्तान, रणवीर सिंह, संजीव कुमार, जयवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, काला, चांद पहलवान, शिवकुमार, राजीव, जितेन्द्र राठी, भुपेंद्र सिंह, राहुल चौधरी ने भी विचार रखे।

गुरु स्मृति दिवस पर उमड़ी आस्था, सन्मति निलय भवन का हुआ शिलान्यास



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। बड़ागांव स्थित त्रिलोक तीर्थ में रविवार को गुरु स्मृति दिवस श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सन्मति निलय भवन के निर्माण के लिए विधिवत शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर ब्रह्मलीन गुरु सन्मति सागर महाराज को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का शुभारंभ एलाचार्य

● बड़ागांव त्रिलोक तीर्थ में भक्ति और श्रद्धा के बीच संपन्न हुए धार्मिक अनुष्ठान

त्रिलोक भूषण महाराज, आर्यिका मुक्ति भूषण माताजी, आर्यिका दृष्टि भूषण माताजी, आर्यिका अनुभूति भूषण माताजी तथा क्षुल्लक योग भूषण महाराज के सान्निध्य में मंगलाचरण और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा का स्मरण



करते हुए पूजा-अर्चना की और भक्ति भाव से कार्यक्रमों में सहभागिता की। इसके उपरांत सन्मति निलय भवन के निर्माण के लिए विधिवत शिलान्यास किया गया। इस पुण्य कार्य में लक्ष्मीनगर (दिल्ली) निवासी मनीष जैन, गौरव जैन, जितेंद्र जैन और सौरभ जैन के परिवारों का विशेष सहयोग रहा। जैन समाज के लोगों ने इसे धर्म और समाज के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों और श्रद्धालुओं ने ब्रह्मलीन गुरु सन्मति सागर महाराज के

आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा समाज में धर्म, सेवा और सद्भाव को बढ़ावा देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान भक्ति गीतों और प्रवचनों से वातावरण आध्यात्मिकता से सराबोर रहा। समारोह में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में त्रिलोक चंद जैन, ब्रह्मचारी नवीन, राजेंद्र प्रसाद जैन, गजराज गंगवाल, महेंद्र जैन, के.सी. जैन सहित समाज के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा।

बागपत में हेरिटेज गुरुकुल का हुआ शुभारंभ, परंपरा और आधुनिक शिक्षा का संगम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। शहर के रिवर पार्क में रविवार को स्थापना जैन एजुकेशनल एंड सोशल ट्रस्ट द्वारा हेरिटेज गुरुकुल का भव्य शुभारंभ हुआ। प्राचीन गुरुकुल परम्परा का पालन करते हुए शिक्षा के नए आयाम को स्थापित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत वर्षगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि हेरिटेज गुरुकुल का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, संस्कार और आधुनिक शिक्षा को एक साथ जोड़ते हुए नई पीढ़ी को मजबूत आधार



प्रदान करना है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बागपत विधायक योगेश धामा ने गुरुकुल को लेकर अपने विचार रखे। ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों और समाज के गणमान्य लोगों ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्था की भावी योजनाओं की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि इस गुरुकुल में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय परंपरा, नैतिक मूल्यों और संस्कारों की

भी शिक्षा दी जाएगी, जिससे वे समाज और राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डा. नागेन्द्र गोयल, डा. ललित शर्मा, डा. अंजना शर्मा, प्राचार्य दिनेश कुमार बड़ी संख्या में समाज के लोग, शिक्षाविद और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

प्राध्यापिका संतोष सिसौदिया को मिली विद्या वाचस्पति की उपाधि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। चांदीनगर क्षेत्र के खट्टा प्रहलादपुर स्थित सेठ तारीफ सिंह जैन डिग्री कॉलेज में हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका सन्तोष शिशौदिया को मध्य प्रदेश के शिवपुरी स्थित पी के विश्वविद्यालय ने हिन्दी विषय में विद्या वाचस्पति (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। उपाधि मिलने पर कॉलेज में शिक्षकों ने हर्ष जताया है।

सन्तोष शिशौदिया ने बताया कि उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ ब्रजलता शर्मा के निर्देशन में 'सुंदर कविराय आचार्यत्व और कवित्व' विषय पर पूर्ण किया है। साक्षात्कार हेतु पीक्षक के रूप में महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना, चित्रकूट से हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ललित कुमार सिंह ने सन्तोष शिशौदिया के शोध प्रबन्ध की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह विषय नवीन और



शोधार्थी का यह शोध मौलिक है। प्रोफेसर सिंह ने शोध प्रबन्ध के प्रकाशनार्थ अपनी संस्तुति भी दी। दरअसल, सन्तोष शिशौदिया विगत 7 वर्षों से सेठ तारीफ सिंह जैन डिग्री कॉलेज खट्टा प्रहलादपुर के हिन्दी विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव ठाकुर सतीश सिंह दाहिमा, प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र कुमार, डॉ कमलकान्त कौशिक, अतुलदेव शर्मा, कुलदीप सिंह तथा समस्त स्टाफ ने उन्हें विद्या वाचस्पति की उपाधि प्राप्त करने पर बधाई दी है।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ बागपत के चुनाव संपन्न, मोहित तोमर बने जिलाध्यक्ष

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ, जनपद बागपत की जिला कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को अत्यंत सौहार्दपूर्ण और लोकतांत्रिक माहौल में संपन्न हुए। चुनाव के परिणामों की घोषणा के साथ ही मोहित तोमर को जनपद का नया जिलाध्यक्ष चुना गया है। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने लेखपालों के हितों के लिए संघर्ष का संकल्प लिया।

बागपत तहसील में आयोजित चयन प्रक्रिया में निर्वाचन और निर्विरोध चयन का संमम देखा गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान संगठन की एकजुटता साफ तौर पर देखने को मिली। जहाँ अध्यक्ष और जिला मंत्री के लिए मतदान हुआ, वहीं अन्य महत्वपूर्ण पदों पर पदाधिकारियों



का चयन निर्विरोध सर्वसम्मति से किया गया।

इनमें अध्यक्ष पद पर मोहित तोमर (निर्वाचित), जिला मंत्री पद पर कपिल कुमार (निर्वाचित), वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुन्दरलाल (निर्विरोध), कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सागर कसाना (निर्विरोध), उप मंत्री पद पर रवि कुमार (निर्विरोध), कोषाध्यक्ष पद पर बिजेन्द्र सिंह

(निर्विरोध) और ऑडिटर पद पर विनिता (निर्विरोध) चुने गए। परिणाम घोषित होने के पश्चात नवनिर्गुप्त अध्यक्ष मोहित तोमर और उनकी टीम का जोरदार स्वागत किया गया। उपस्थित लेखपालों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। टीम ने लेखपालों के हितों के लिए संघर्ष का संकल्प लिया।

बागपत में गांव-गांव चल रहा फार्मर रजिस्ट्री अभियान, पंचायत घरों पर उमड़ रहे किसान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। किसानों को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने और खेती को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में जिले में चल रहा फार्मर रजिस्ट्री अभियान अब गांव-गांव रफ्तार पकड़ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बड़ौत तहसील के बिजौरौल गांव स्थित पंचायत घर पहुंचकर चल रहे फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण कार्य का औचक निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर फीडबैक लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के हर पात्र किसान का पंजीकरण समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों

● बिजौरौल में जिलाधिकारी ने लिया प्रगति का जायजा

को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने और कृषि व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि पंचायत स्तर पर चल रहे इस अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और गांव-गांव तक इसकी जानकारी पहुंचाई जाए ताकि कोई भी पात्र किसान इससे वंचित न रह जाए।

जिले में फार्मर रजिस्ट्री के लिए पंचायत घरों और जन सेवा केंद्रों को मुख्य पंजीकरण केंद्र बनाया गया है। यहां किसान अपने आवश्यक दस्तावेज लेकर पहुंच रहे हैं और अपना पंजीकरण करा रहे हैं। प्रशासन की ओर से गांवों में विशेष शिबिर



लगाए जा रहे हैं ताकि किसानों को दूर जाने की आवश्यकता न पड़े और वे अपने गांव में ही आसानी से पंजीकरण करा सकें। इस अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक किसान को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ना है।

फार्मर रजिस्ट्री दरअसल किसानों की डिजिटल पहचान बनाने की

प्रक्रिया है। इस प्रणाली में किसान की पहचान, उसकी खेती की जमीन, फसल से संबंधित जानकारी और बैंक खाते का विवरण सरकारी डिजिटल पोर्टल पर दर्ज किया जाता है। इसके बाद किसान को एक यूनिक किसान पहचान संख्या यानी फार्मर आईडी दी जाती है। भविष्य में यही किसान की

पहचान के रूप में काम करेगी और विभिन्न सरकारी योजनाओं में इसका उपयोग किया जाएगा। फार्मर रजिस्ट्री दरअसल केंद्र सरकार की एग्रीस्टैक पहल का अहम हिस्सा है। एग्रीस्टैक का उद्देश्य कृषि क्षेत्र के लिए एक डिजिटल ढांचा तैयार करना है, जिसमें किसानों का डेटा, भूमि रिकॉर्ड और

फसल से जुड़ी जानकारी एकिकृत रूप से उपलब्ध हो सके। इसके आधार पर किसानों को डिजिटल कृषि सेवाएं प्रदान करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे खेती को आधुनिक और अधिक व्यवस्थित बनाया जा सके।

फार्मर रजिस्ट्री बनने के बाद किसानों को कई प्रकार के फायदे मिलने की उम्मीद है। सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि किसानों को मिलने वाली सरकारी योजनाएं और योजनाओं का पैसा सीधे उनके बैंक खाते में पहुंच सकेगा। इसके अलावा किसानों को अलग-अलग योजनाओं के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी, क्योंकि उनका पूरा रिकॉर्ड पहले से डिजिटल प्रणाली में उपलब्ध रहेगा। इसके साथ ही फसल बीमा, कृषि उपकरणों पर सब्सिडी और अन्य कृषि योजनाओं का लाभ भी किसानों को अधिक

पारदर्शी तरीके से मिल सकेगा। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी और वास्तविक किसानों तक लाभ पहुंचाने में आसानी होगी।

प्राकृतिक आपदाओं के समय भी फार्मर रजिस्ट्री प्रणाली काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अक्सर ओलावृष्टि, बाढ़ या अन्य प्राकृतिक कारणों से फसल खराब होने पर मुआवजा वितरण में समय लग जाता है। लेकिन यदि किसानों और उनकी जमीन का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा तो नुकसान का आकलन और राहत वितरण की प्रक्रिया काफी तेजी से पूरी की जा सकेगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का बागपत जिला कृषि के लिए जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में किसान गन्ना, गेहूं और सब्जियों की खेती करते हैं। ऐसे में फार्मर रजिस्ट्री बनने से जिले के किसानों को सरकारी योजनाओं और कृषि सुविधाओं से

जोड़ने में काफी मदद मिल सकती है। फार्मर रजिस्ट्री के लिए किसानों को कुछ आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होते हैं। इनमें मुख्य रूप से आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक और जमीन का खसरा-खतौनी विवरण शामिल है। इन दस्तावेजों के आधार पर किसान की जानकारी डिजिटल पोर्टल पर दर्ज की जाती है और सत्यापन के बाद उसे किसान पहचान संख्या जारी की जाती है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने किसानों से अपील की कि वे फार्मर रजिस्ट्री के लिए आगे आएँ और समय रहते अपना पंजीकरण कराएँ। उन्होंने कहा कि यह पहल किसानों को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने के साथ-साथ कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस दौरान एसडीएम बड़ौत भावना सिंह भी मौजूद रहीं।

उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने लिया जायजा दूधेश्वरनाथ मंदिर में सौंदर्यकरण व विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया

उद्घाटन अवसर पर गिनाई मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियां



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे सौंदर्यकरण व पर्यटन विकास की परियोजनाओं का गुरुवार को मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सानिध्य में लोकार्पण व शिलान्यास हुआ। लोकार्पण व शिलान्यास मुख्य

अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने किया। इन परियोजनाओं पर कुल 5 करोड़ 52 लाख 25 हजार की लागत आई है। उत्तर प्रदेश के केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने भी मंदिर में पूजा-अर्चना कर महाराजश्री का आशीर्वाद लिया। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने सबसे पहले मंदिर के सिंहद्वार का पूजन किया। उसके बाद भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना व अभिषेक किया। पूजा-अर्चना श्री दूधेश्वर वेद विद्या

संस्थान के आचार्य रोहित त्रिपाठी, आचार्य अमित शर्मा, आचार्य नित्यानंद ने कराई। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का पटका व माला पहनाकर तथा स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। महाराजश्री ने कहा कि मोदी व योगी सरकार में जहां देश व उत्तर प्रदेश का विकास हो रहा है, वहीं धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार व सौंदर्यकरण से देश में धर्म व आध्यात्म की गंगा बह रही है। अयोध्या में भव्य व दिव्य राम

मंदिर के निर्माण, प्रयागराज के ऐतिहासिक कुंभ मेले के आयोजन आदि से देश का पर्यटन क्षेत्र भी शिखर पर पहुंच रहा है, जिससे देश व प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मोदी व योगी सरकार में जितने विकास कार्य हो रहे हैं, उतने किसी सरकार में नहीं हुए। मोदी व योगी सरकार की यह खुशी है कि जिस दिन किसी योजना का पत्थर लगता है, उसी दिन उसके

लोकार्पण की तिथि भी घोषित कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर देश का प्रमुख मंदिर है और मंदिर में 5 करोड़ 50 लाख सिंहद्वार, श्रीमहंत गौरी गिरि सभागार व फर्श के निर्माण का कार्य हुआ। उन्होंने दूधेश्वर नाथ मंदिर से ही मोदीनगर में सीकरी कलां माता मंदिर, मुरादनगर भवन मंदिर, सिहानी के प्राचीन शिव मंदिर समेत अनेक विकास कार्यों व सौंदर्यकरण के कार्यों का भी शिलान्यास व लोकार्पण किया।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मोदी व योगी सरकार में देश व प्रदेश में विकास का नया इतिहास रचा है। उन्होंने अपनी निधि से श्रीमहंत गौरी गिरि सभागार में 10 एसी लगवाने की घोषणा भी की। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि गाजियाबाद ही नहीं उत्तर प्रदेश के सभी शहरों में सभी मंदिरों का विकास हो रहा है। यह सिर्फ भाजपा सरकार में ही संभव है। आज देश व उत्तर प्रदेश विकास के हर क्षेत्र में शिखर को छू रहा है। विधायक अजीत पाल त्यागी ने मुरादनगर के

ग्राम कुहैड़ा में भगवान परशुराम मंदिर व प्राचीन हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का धन्यवाद किया। मोदीनगर की विधायक मंजू सिवास ने मोदीनगर के प्रसिद्ध सीकरी कला माता मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का धन्यवाद किया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश

का पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य कर रहा है। बी के शर्मा हनुमान ने सभी का धन्यवाद किया। महंत गिरिशानंद गिरि महाराज, आनंदेश्वरानंद गिरि महाराज, पं महेश वशिष्ठ, जलज कुमार शर्मा, अमित सिंह, मंदिर में कार्यों का निर्माण करने वाली सुनील गर्ग एंड बिल्डर्स के सुनील गर्ग, सुमीत दीवान, विधायक संजीव शर्मा के मीडिया प्रभारी अजय चौपड़ा, विजय मित्तल आदि भी मौजूद रहे।

ईरान में सीजफायर से ट्रंप का इनकार

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- युद्धविराम की शर्तें मंजूर नहीं

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फिलहाल ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते पर बात नहीं बनी है। ट्रंप का कहना है कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उसकी शर्तें अभी अमेरिका के लिए स्वीकार करने लायक नहीं हैं। ईरान की तरफ से उनके इस ताजा बयान पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन मैं अभी इसके लिए तैयार नहीं हूँ, क्योंकि उसकी शर्तें अभी अच्छी नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भविष्य में कोई समझौता होता है तो उसकी शर्तें 'बहुत मजबूत' होनी चाहिए, हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि हाल-फिलहाल ईरान की तरफ से क्या शर्तें रखी गई हैं। समझौते के लिए किस तरह उनसे संपर्क किया गया है। ट्रंप ने यह भी साफ किया कि किसी भी युद्धविराम या समझौते की एक बड़ी शर्त यह होगी कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ दे, अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करता रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इजरायल की जंग तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर गई है। इन हमलों की वजह से मध्य पूर्व में तनाव



लगातार बढ़ रहा है। इसका असर वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार पर भी पड़ रहा है। लगातार हमलों के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर असर पड़ा है और तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का कारण बनती जा रही है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका उन देशों से मदद मांग रहा है जिनका तेल व्यापार होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। उनका कहना है कि इन देशों को इस अहम समुद्री रास्ते को सुरक्षित रखने में योगदान देना चाहिए, होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी संख्या में तेल के टैंकर गुजरते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि कई देशों ने इस रास्ते की

सुरक्षा में मदद करने का भरोसा दिया है, हालांकि उन्होंने इन देशों के नाम नहीं बताए। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विथ सोशल पर भी लिखा कि जो देश इस रास्ते से तेल हासिल करते हैं, उन्हें इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि कई देश अपने युद्धपोत भेज सकते हैं ताकि इस मार्ग को खुला और सुरक्षित रखा जा सके। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी नौसेना जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा देगी, तो ट्रंप ने सीधे जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इस बारे में अभी कुछ कहना उचित नहीं होगा, लेकिन ऐसा होना संभव है। इससे पहले शनिवार की रात इजरायली डिफेंस फोर्स ने ईरान की

राजधानी तेहरान और उसके आसपास के इलाकों में भीषण हवाई हमले कर ईरानी सैन्य ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। इजरायली वायुसेना ने दावा किया कि इस हमले में ईरान का मुख्य स्पेस रिसर्च सेंटर और एयर डिफेंस सिस्टम बनाने वाली एक बड़ी फैक्ट्री पूरी तरह तबाह हो गई है। IDF के अनुसार हवाई हमलों में तेहरान स्थित ईरानी शासन के दर्जनों बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया। सबसे महत्वपूर्ण निशाना वह स्पेस रिसर्च सेंटर था, जिसमें ऐसी रणनीतिक प्रयोगशालएं थीं जो डिफेंस सैटेलाइट के विकास के लिए इस्तेमाल की जा रही थीं। इन सैटेलाइट्स का उपयोग पूरे मध्य पूर्व में निगरानी और हमलों के लिए दिशा-निर्देश देने में किया जाना था। इसके अतिरिक्त, इजरायल ने ईरान के हवाई रक्षा तंत्र को बनाने वाली एक प्रमुख फैक्ट्री को भी ध्वस्त कर दिया है। IDF का कहना है कि इस हमले से ईरान की अपने हवाई रक्षा नेटवर्क को फिर से खड़ा करने और उसे सुदृढ़ करने की क्षमता को काफी हद तक कमजोर कर दिया गया है। यह हमला ईरान के उस सुरक्षा कवच पर सीधा वार है जो उसे हवाई खतरों से बचाता था।

अयोध्या: राम

मंदिर में मोबाइल पर लगा बैन

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि परिसर में आने वाले भक्तों के लिए सुरक्षा और सुविधाओं से जुड़ी नई गाइडलाइंस जारी की गई हैं। आगामी चैत्र नवरात्रि और बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने परिसर के अंदर मोबाइल फोन और हथियारों पर पूरी तरह रोक लगा दी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सेक्रेटरी चंपत राय ने बताया कि राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कुछ और सख्त नियम बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि दर्शन के लिए अगर कोई व्यक्ति किसी सुरक्षाकर्म के साथ आता है, तो उसे भी परिसर में एंट्री नहीं दी जाएगी। साथ ही श्री राम जन्मभूमि कॉम्प्लेक्स में मोबाइल फोन के साथ एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, अगर कोई सिक्योरिटी वाले के साथ है, तो उसे कॉम्प्लेक्स में एंट्री नहीं करने दी जाएगी। चंपत राय ने बताया कि परिसर में लाइसेंसी रिवाल्वर, तलवार या बंदूक जैसे हथियार भी कॉम्प्लेक्स के अंदर ले जाना मना है। हालांकि, सिख भाइयों के अधिकारों के मुताबिक गले में सिर्फ एक छोटी कुपाण, जिसे कानूनी तौर पर रखा जा सकता है वो पहनी जा सकती है। ये छूट सिर्फ सिख समुदाय के सदस्यों के लिए है। चंपत राय ने बताया 19 मार्च को चैत्र नवरात्रि का पहला दिन है, इस दिन कई भक्त व्रत रखते हैं।

सांसद अतुल गर्ग ने पेट्रोलियम मंत्री को लिखा पत्र

फूड इकाइयों को गैस आपूर्ति में प्राथमिकता देने की मांग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर फूड से जुड़ी इकाइयों को गैस आपूर्ति में प्राथमिकता देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खाद्य क्षेत्र से संबंधित इकाइयों के सुचारु संचालन के लिए गैस की नियमित आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है।



सांसद ने अपने पत्र में सूर्या फूड एंड एग्री लिमिटेड द्वारा भेजे गए पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि फूड सेक्टर से जुड़े उद्योग और छोटे व्यवसाय आज बड़ी संख्या में लोगों की भोजन संबंधी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। ऐसे में गैस आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा आने से इन इकाइयों के संचालन पर सीधा असर पड़ता है। अतुल गर्ग ने कहा कि वर्तमान समय में छोटी खाने की ठेलियों, ढाबों, रेस्तरां और बड़ी फूड यूनिट्स पर बड़ी संख्या में लोग भोजन के लिए निर्भर रहते हैं। शहरों में बाहर से आने वाले यात्री, छात्र, श्रमिक वर्ग और वर्किंग क्लास के अनेक लोग स्वयं भोजन बनाने के बजाय इन स्थानों पर उपलब्ध भोजन पर ही निर्भर रहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन फूड इकाइयों को समय



■ रेस्तरां, ढाबों और फूड यूनिट्स पर बड़ी संख्या में लोग भोजन के लिए निर्भर - सांसद अतुल गर्ग

पर गैस उपलब्ध नहीं होती है तो इसका सीधा प्रभाव आम लोगों पर पड़ता है। इससे न केवल इन व्यवसायों को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि लोगों को भोजन की उपलब्धता में भी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। सांसद ने अपने पत्र में यह भी कहा कि फूड सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के दृष्टिकोण से भी

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र से लाखों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। इसलिए गैस आपूर्ति के मामले में फूड से संबंधित छोटी-बड़ी सभी इकाइयों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि फूड सेक्टर से जुड़े व्यवसायों को नियमित रूप से गैस उपलब्ध हो सके और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बसंतकालीन गन्ना बुवाई हेतु केवल स्वीकृत एवं उन्नतीपील गन्ना किस्मों का ही करें चयन

उच्च उत्पादन, बेहतर शर्करा प्रतिशत और रोग-मुक्त गन्ने के लिए स्वीकृत किस्मों का प्रयोग अनिवार्यरूप राजीव राय

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। गन्ना विकास विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए वैज्ञानिक परीक्षणों एवं अनुसंधान के आधार पर प्रतिवर्ष स्वीकृत एवं अनुशंसित गन्ना किस्मों की सूची जारी की जाती है। यह सूची गन्ना विकास विभाग के एस.जी.के./ज्यज्ञद पोर्टल के साथ-साथ संबंधित गन्ना समितियों के परिसर एवं गोदामों तथा सूचना पट्टों पर भी प्रदर्शित की गई है, जिससे गन्ना कृषकगण आसानी से इसका जानकारी कर गन्ना बीज को प्राप्त कर सकते हैं। उप गन्ना आयुक्त, मेरठ परिक्षेत्र श्री राजीव राय ने क्षेत्र के समस्त गन्ना कृषकों से अपील की है कि वर्तमान समय बसंतकालीन गन्ना बुवाई का उपयुक्त अवसर है। ऐसी स्थिति में किसान केवल स्वीकृत एवं अनुशंसित गन्ना किस्मों की ही बुवाई करें। वैज्ञानिक रूप से अनुमोदित किस्मों का प्रयोग करने से फसल रोग-मुक्त, अधिक उत्पादक तथा बेहतर शर्करा प्रतिशत वाली प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि अस्वीकृत अथवा अवैज्ञानिक स्रोतों से प्राप्त

- विभाग द्वारा स्वीकृत एवं अनुशंसित, उन्नतिपील किस्मों से ही बुवाई करने के लिए गन्ना किसानों से अपील।
- गन्ना किसानों हेतु एसजीके पोर्टल पर स्वीकृत गन्ना किस्मों का किया जा रहा है प्रदर्शन।
- गन्ना समिति परिसर तथा खाद गोदामों पर स्वीकृत एवं उन्नतिशील गन्ना किस्मों की जानकारी चरपा की गई है, जहां से गन्ना किसान बीज प्राप्त कर सकते हैं।

बीज सामग्री के प्रयोग से कई बार रोग संक्रमण, कम अंकुरण तथा उत्पादन में गिरावट जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, जिससे किसानों को आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है। इसलिए बुवाई से पूर्व किसान स्वीकृत किस्मों की सूची का अवश्य अध्ययन करें और प्रमाणित एवं स्वस्थ बीज का ही प्रयोग करें। उप गन्ना आयुक्त ने मेरठ परिक्षेत्र के अंतर्गत कार्यरत समस्त फील्ड स्टाफ को भी निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्वीकृत गन्ना किस्मों की तालिका अपने साथ रखें तथा किसानों द्वारा जानकारी प्राप्त किए जाने पर उन्हें तत्काल अवगत कराएं। परिषद स्तर पर बसंतकालीन

गन्ना बुआई हेतु आरक्षित बीज, गन्ना कृषकवार एस.जी.के. पोर्टल पर फीड किये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया है। साथ ही ग्राम स्तरीय बैठकों, किसान गोष्ठियों एवं जनगणरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से भी किसानों को अनुशंसित किस्मों के प्रयोग हेतु प्रेरित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसान वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप स्वीकृत किस्मों का चयन, स्वस्थ बीज का उपयोग तथा आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करेंगे तो इससे न केवल गन्ना उत्पादन में वृद्धि होगी बल्कि किसानों की आय में भी सकारात्मक वृद्धि सुनिश्चित होगी।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रदेश के गन्ना किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करने तथा गन्ना खेती को अधिक वैज्ञानिक और लाभकारी बनाने की दिशा में गन्ना विकास विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में गन्ना विकास विभाग एवं नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के बीच ब्रीडर गन्ना बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। इससे नये किस्मों के बीज की उपलब्धता बढ़ाने तथा किस्मों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए एडवाइजरी तथा प्रशिक्षण सुविधायें सुगम बनाने हेतु उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद एवं बलरामपुर चीनी

मिल की इकाई हैदरगढ़ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है, इस समझौते से टिशू कल्चर तकनीक के माध्यम से उन्नत गन्ना किस्मों के रोगमुक्त गन्ना पौध उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा तथा टिशू कल्चर लैब की क्रियाशीलता सुनिश्चित होगी। माननीय गन्ना मंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार गन्ना किसानों की आय बढ़ाने और गन्ना खेती को अधिक आधुनिक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ब्रीडर बीज उत्पादन और टिशू कल्चर तकनीक से किसानों को उच्च गुणवत्ता, प्रमाणित और रोगमुक्त गन्ना बीज उपलब्ध होगा, जिससे गन्ना उत्पादन और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश के लाखों गन्ना किसानों के लिए



लाभकारी सिद्ध होगी और गन्ना खेती को अधिक प्रतिस्पर्धी एवं टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. ने बताया कि इन एमओयू के माध्यम से प्रदेश में गन्ना बीज उत्पादन प्रणाली को और अधिक मजबूत किया जाएगा। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट की

खाली पड़ी कृषि भूमि के सकारात्मक उपयोग एवं वैज्ञानिक दक्षता के प्रयोग से ब्रीडर गन्ना बीज उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे प्रदेश के ब्रीडर शीड के उपलब्धता में लगभग 12,000 कु. की वृद्धि होगी जिसका फायदा मध्य व पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों को मिलेगा, उत्तर प्रदेश गन्ना

शोध परिषद और बलरामपुर चीनी मिल के सहयोग से टिशू कल्चर तकनीक पर काम करने वाली चीनी मिलों के कार्मिकों को प्रशिक्षण एवं लैब संचालन के सम्बन्ध में तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक सलाह भी उपलब्ध करायी जायेगी, जिससे नई किस्मों के बीज की उपलब्धता बढ़ाई जा सकेगी और अधिक से अधिक किसान इस उन्नत विधियों को अपनाकर लाभान्वित हो सकेगें। यह तकनीक किसानों की आय बढ़ाने और चीनी उद्योग को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह पहल प्रदेश के गन्ना किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उन्हें अधिक उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता एवं अधिक आय प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

मानव मूल्यों की विशिष्ट विभूतियां और देश का भविष्य हुआ 42वें सम्मान समारोह में अलंकृत

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने भावुक होकर किया अपने पिता के नाम पर सम्मान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

उदयपुर। मेवाड़ की प्राचीन गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंधन्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने फाउंडेशन के 42वें सम्मान समारोह में मानव मूल्यों की विशिष्ट विभूतियों और देश के भविष्य प्रतिभावान विद्यार्थियों को अलंकृत किया।

समारोह का शुभारंभ मंच पर दीप प्रज्वलन कर परमेश्वराजी महाराज श्री एकलिंगनाथजी, फाउंडेशन के संस्थापक महाराणा भगवत सिंह जी मेवाड़ को पुष्पोंजलि अर्पित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। डॉ. मेवाड़ ने अपने पूर्वजों के नाम के साथ पिता महाराणा अरविंद सिंह मेवाड़ का स्मरण करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा 77वें श्री एकलिंग दीवान के रूप में मैं, अपने पिता के संस्कारों के आलोक से मेवाड़ की गौरवशाली परंपराओं के निर्वहन का संकल्प लेता हूँ। इसके साथ ही अपने पिता की स्मृतियों और आदर्शों को यादगार बनाने के लिए 'महाराणा अरविंद सिंह मेवाड़ अलंकरण' की घोषणा करते हुए राष्ट्रीय स्तर के एक नये अलंकरण का भी शुभारंभ किया।

देश-विदेश से सम्मानित होने आये महानुभावों का डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने पुष्प-हार से स्वागत किया। समारोह में सबसे पहले विद्यार्थियों को सम्मान के लिए आमंत्रित कर कुल 81 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विशिष्ट सम्मान से सम्मानित होने वाले

बच्चों के प्रोत्साहन में उपस्थित सभी अतिथियों ने अपने स्थान पर खड़े हो, उनका सम्मान तालियों से किया।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर का कर्नल जेम्स टॉड सम्मान डॉ. मॉली एम्मा एटकिन, अमेरिका को प्रदान किया गया, वे भारतीय लघुचित्र परंपरा, विशेषतः मेवाड़ एवं राजपूत दरबारी चित्रकला की अग्रणी विदुषी हैं। उनका कार्य कर्नल जेम्स टॉड की उस ऐतिहासिक परंपरा का आधुनिक विस्तार है, जिसके माध्यम से मेवाड़ की संस्कृति, इतिहास और कलात्मक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित किया गया।

राष्ट्रीय स्तर का हलदीघाटी सम्मान वरिष्ठ पत्रकार कमलेश किशोर सिंह को प्रदान किया गया। कमलेश किशोर भारतीय मीडिया जगत में तीन दशकों से सक्रिय हैं। डिजिटल पत्रकारिता में नवाचार, हिंदी पत्रकारिता की सशक्त दिशा प्रदान करने तथा नई पीढ़ी के पत्रकारों को मार्गदर्शन देने में उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लोकप्रिय पॉडकास्ट तीन ताल में 'ताऊ' के रूप में उनकी उपस्थिति व्यापक जनसमूह को समासमयिक विषयों पर गंभीर चिंतन के लिए प्रेरित करती है।

हकीम खां सूर सम्मान इस वर्ष भारतीय वायुसेना के स्वर्नाइन लीडर रिजवान मलिक, वीआरसी को प्रदान किया गया। स्वर्नाइन लीडर रिजवान मलिक, वीआरसी, भारतीय वायुसेना के सेवारत अधिकारी हैं और वर्ष 2025



में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित असाधारण वीरता के लिए वीर चक्र से अलंकृत किए गए हैं। आप एक फाइटर पायलट के रूप में कमीशंड हैं और उन्नत लड़ाकू विमानों के संचालन में दक्ष हैं। इन्हें भारतीय वायुसेना की अत्यंत चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण परिचालन जिम्मेदारियाँ सौंपी जाती हैं। आप मणिपुर राज्य के इम्फाल पूर्व जिले के केइखु गाँव से हैं और अपने राज्य के साथ-साथ पूरे राष्ट्र के लिए गौरव का स्रोत बनकर उभरे हैं।

इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु श्री मरिमुथु योगनानथन को महाराणा उदय सिंह सम्मान से सम्मानित किया गया, जिन्हें देशभर में 'ट्री मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है। कोयंबटूर में तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) के बस परिचालक के पद पर कार्यरत रहते पर्यावरण आंदोलन और विकास में लगभग चार दशकों से निरंतर वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता और जलवायु संरक्षण के कार्य में समर्पित हैं और दूसरों को प्रेरित भी कर रहे हैं। इन्होंने पाँच लाख से अधिक वृक्ष रोपे हैं।

निर्धारित दायित्व सीमा से ऊपर उठकर किए गए कार्य के लिए दिया जाने वाला इस वर्ष का पन्नाखाय सम्मान, वर्ष 2017 में 35,000 फीट की ऊँचाई पर एक आपातकालीन प्रसव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने वाले जेट एयरवेज की फ्लाइट 9डब्ल्यू 569 के समर्पित क्रू सदस्यों को सामूहिक रूप से प्रदान किये गये।



जेट एयरवेज की इस उड़ान के दौरान सीमित संसाधनों, चिकित्साकीय सुविधाओं के अभाव और अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में क्रू ने अद्भुत संयम, साहस और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। क्रू सदस्यों में ईशा जायकर, तेजस चव्हाण, कैथरीन वार्णेण, सुष्मिता डेविड, एवं डेबोरा तावारेस ने मिलकर एक नवजीवन को सुरक्षित जन्म

दिलाया। इसी बीच, कॉकपिट में कैप्टन प्रणव छाबडिया और कैप्टन मार्टिन फेसानेक संकट के परिचालन संबंधी पहलू का प्रबंधन करते रहे। यह घटना सेवा से परे जाकर कर्तव्य, करुणा और मानवीय उत्तरदायित्व का अद्वितीय उदाहरण बनी। उस बच्चे का नाम रखा गया जेटसन जो अपने परिवार के साथ मंच पर उपस्थित हुआ।

मेवाड़ की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने वाले

मेवाड़ के 76वें वंशधर के सम्मान में, इस वर्ष के प्रथम 'महाराणा अरविंद सिंह मेवाड़ अलंकरण' से द इंडियन होटलस कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पुनीत चटवाल को भारत के पर्यटन क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व तथा योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

राजस्थानीय स्तरीय सम्मान में इस वर्ष महर्षि हारीत राशि सम्मान से वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को सम्मानित किया गया। 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत ने वाराणसी में 50 दिनों तक पूर्णतः स्मरण शक्ति के आधार पर शुक्ल यजुर्वेद (माध्यंदिन शाखा) के दुर्लभ दंडक्रम विकृतिपाठ का संपादन किया। लगभग 200 वर्षों में पूर्ण दंडक्रम पारायण करने वाले वे विश्व के दूसरे विद्वान माने जाते हैं। उनका यह कार्य लुप्तप्राय वैदिक पाठ परंपरा के पुनर्जीवन की दिशा में ऐतिहासिक महत्व रखता है।

समाज में शैक्षिक, चारित्रिक, नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु स्थायी मूल्य की सेवाओं के लिए इस वर्ष का महाराणा मेवाड़ सम्मान भारत की प्रथम ट्रांसजेंडर महिला सब-इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस के. पृथिका याशिनो तथा सीनियर जर्नलिस्ट भुवनेश जैन को प्रदान किया गया।

जयपुर में पदस्थापित वर्तमान में पत्रिका समूह के डिप्टी एडिटर भुवनेश जैन पिछले 41 वर्षों से प्रिंट मीडिया में



सक्रिय राजनीतिक, सामाजिक विषयों, नगरीय विकास, अपराध, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि विषयों पर अपनी खास पकड़ रखते हैं, दो दशकों से अधिक की संपादकीय नेतृत्व भूमिका, सार्क एवं जी-20 शिखर सम्मेलनों की कवरेज तथा प्रभावशाली स्तंभ लेखन के माध्यम से उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं इतिहास के क्षेत्र में महाराणा कुम्भा सम्मान उदयपुर के प्रख्यात हिन्दी एवं राजस्थानी साहित्यकार तरुण कुमार दाधीच को प्रदान किया गया।

ललित कला के क्षेत्र में महाराणा सज्जनसिंह सम्मान अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट अजय रावत को प्रदान किया गया। रावत पुष्कर स्थित नेशनल सैंड आर्ट पार्क के संस्थापक हैं जिन्होंने 51 फुट ऊँची महाराणा प्रताप की प्रतिमा सहित अनेक भव्य रेत शिल्पों के माध्यम से उन्होंने इस कला को वैश्विक पहचान दिलाई है।

संगीत के क्षेत्र में दिया जाने वाला डागर घराना सम्मान पद्म विभूषण से अलंकृत हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रख्यात बाँपुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया को प्रदान किया गया।

आदिवासी समाज के उत्थान हेतु

राणा पूंजा सम्मान मांडना कलाकार डिंपल चण्डात को प्रदान किया गया। वे जनजातीय मांडना कला के संरक्षण एवं प्रलेखन हेतु समर्पित हैं।

राज्य के खिलाड़ियों को दिए जाने वाले अरावली सम्मान से राम रतन जाट एवं अविन लेखरा को अलंकृत किया गया। राम रतन जाट, भारतीय नौसेना में चीफ पेटी ऑफिसर, विश्वप्रसिद्ध अल्ट्रा-मेराथन धावक हैं। उन्होंने कैलिफोर्निया में आयोजित 135 मील लंबी 'क्लड्स ट्रेफेस्ट फुटरेस' पूर्ण की तथा कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4,280.1 किमी की दौड़ 52 दिनों में पूरी कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। अविन लेखरा को अलंकृत किया गया। अविन लेखरा ने गंभीर स्पाइनल कॉर्ड चोट के बावजूद पैरा शूटिंग में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। टोक्यो पैरालंपिक 2020 में उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण तथा 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। वे एक ही पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं तथा भारत सरकार द्वारा 2022 में पद्म श्री से सम्मानित की गईं। इस वर्ष महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के राज्य स्तरीय 'महाराणा मेवाड़ विशेष सम्मान' राजस्थान के बेस्ट पुलिस थाना सूरगढ़ शहर और उदयपुर के राजेश वैष्णव को, मेवाड़ की 500 वर्ष पुरानी पवित्र जल सांझी परंपरा के संरक्षण हेतु प्रदान किया गया। समारोह का समापन मोहलखिका कुमारी मेवाड़ के आभार-धन्यवाद से हुआ तथा मंच संचालन हिन्दी में गोपाल सोनी और अंग्रेजी में श्रीमती रुपा चक्रवर्ती ने किया।



भारत की नींव को कमजोर कर रही जातिवाद की राजनीति: मुख्यमंत्री

चित्तौड़गढ़ में जौहर स्मृति संस्थान के ‘जौहर श्रद्धांजलि समारोह’ में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

चित्तौड़गढ़/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद फैलाने वालों को चित्तौड़गढ़ की धरती से दौ टूक संदेश दिया। उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां सुनाई ‘मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का-वीरों का।

धनुष छोड़कर और गोत्र क्या होता रणधीरों का।।

पाते हैं सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर।

जाति-जाति का शेर मचाते केवल कायर, क्रूर।।’

मुख्यमंत्री ने कहा, जिन्हें कुछ नहीं करना है, वे जातिवाद के आधार पर सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का पाप कर रहे हैं। जातिवाद ने समाज की नींव को दरका दिया था, इसलिए देश कमजोर हुआ। जातिवाद की राजनीति भारत की नींव को कमजोर कर रही है। बांटने की राजनीति फिर से हम समाज की तरफ धकेल रही है। इससे बचने के लिए हमें एकजुटता के भाव से बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को ईनाणी सिटी सेंटर, चित्तौड़गढ़ में जौहर श्रद्धांजलि समारोह में जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया। उन्होंने पंजाब के पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह की पुस्तक का विमोचन भी किया।

रामसेतु तोड़ने को उतावले लोग राम मंदिर निर्माण का विरोध करते रहे

सीएम योगी ने जनसमूह से पूछा कि वे कौन लोग हैं, जो जातिवाद के आधार पर समाज को बांट रहे हैं। अफवाह के आधार पर विश्वास का संकट खड़ा कर रहे हैं। भारत-भारत न बना रहे, इसके लिए दुष्क्रम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने कहा था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। राम मंदिर आंदोलन में विरोधी पक्ष के साथ मिले और फैसला न होने देने के लिए एंडी-चोटी का जोर लगाया था। ये



अयोध्या में राम मंदिर भी बना और गुलामी का कोई चिह्न भी नहीं बचा

सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम परमपिता परमेश्वर हैं, लेकिन वह राम तब बन पाए, जब उन्होंने कहा कि मैं इस धरती को राक्षसविहीन कर दूंगा। वह भी केवल यह कहते कि मैं अयोध्या का राजा हूं, मुझे कुछ नहीं करना है तो वह राम जैसा सम्मान नहीं पाते। राजस्थान के लाखों नौजवान राम मंदिर आंदोलन में कूद पड़े थे। जब पूर्वजों के प्रति मन में भाव होता है तो परिणाम आने में देर नहीं लगती। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया, वहां गुलामी का कोई चिह्न नहीं बचा। देश एकजुट होकर एक दिशा में चलता है और जाति के नाम पर बांटने वाले नेताओं से सावधान रहता है तो हर भारतवासी को राम मंदिर जैसा सम्मान प्राप्त होता है। कंस के अत्याचार से त्रस्त मथुरा को अभय प्रदान करने के लिए श्रीकृष्ण को संकल्प लेना पड़ा था कि सज्जन शक्ति का संरक्षण करूंगा, लेकिन दुर्जनों के संहार में संकोच नहीं करूंगा।

नेताजी होते तो पापी पाकिस्तान नहीं होता

सीएम योगी ने कहा कि भारत के महापुरुषों ने शौर्य व पराक्रम के साथ जुड़ने का आह्वान किया था। आजादी के आंदोलन में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने 26 वर्ष की आयु में 1857 में अंग्रेजों के विरुद्ध शखनाद किया था। 27 वर्ष की आयु में उनका बलिदान हो गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आह्वान किया था कि तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। नेताजी होते तो पापी पाकिस्तान भी नहीं होता। उनका आह्वान भारत की अस्मिता, आजादी और नौजवानों के लिए था। जापान, सिंगापुर, पोर्ट ब्लेयर, म्यांमार में उनके योगदान का स्मारक हमारा आह्वान करता है। सीएम ने काकोरी के नायकों के अलावा वीर सावरकर, स्वामी विवेकानंद को भी याद किया। कहा कि 1893 में शिकागो की धर्मसभा में स्वामी विवेकानंद ने कहा कि गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। यह उद्घोष भारत को एकता के सूत्र में बांधता है। नेपाल में भी हिंदुओं का यह भाव हर व्यक्ति को जोड़ता है।

लोग रामसेतु तोड़ने के लिए उतावले दिखाई देते हैं, राम मंदिर निर्माण का विरोध करते हैं। ये लोग देश में अविश्वास का वातावरण पैदा कर रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इनका मकसद भारत को कठघरे में खड़ा करके अविश्वसनीय बना देना है। इन्हें देश की चिंता नहीं है। इनके अपने अस्तित्व पर संकट है, इसलिए भारत की अस्मिता से खिलवाड़ करने पर उतारू हैं।

25 करोड़ के उत्तर प्रदेश में बेटियां अब नाइट शिफ्ट में भी काम करके सकुशल घर वापस आती हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में जब हमारी सरकार बनी तो प्रदेशवासियों से कहा कि अपराध-अपराधियों, नारी गरिमा-सुरक्षा के मामले में सरकार जीरो टॉलरेंस के तहत काम करेगी। किसी ने बहन-बेटी की सुरक्षा पर हाथ डाला तो अगले चौराहे पर यमराज उसका

इंतजार कर रहे होंगे। 25 करोड़ वाले उत्तर प्रदेश में बेटियां अब स्कूल भी जाती हैं, नाइट शिफ्ट में काम भी करती हैं और सकुशल घर आती हैं। हर नारी को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की गारंटी हर भारतीय नारी का अधिकार होना चाहिए।

महाराणा सांगा ने घाव पर घाव सहे, लेकिन विधर्मियों को घुसने नहीं दिया

सीएम योगी ने भारत की अस्मिता को

अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए महाराणा सांगा के शौर्य का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, महाराणा सांगा के शरीर पर 80 घाव थे। लेकिन, उन्हें स्वयं की नही, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता की चिंता थी।

घाव पर घाव सहते गए पर विधर्मियों को घुसने नहीं दिया। महाराणा प्रताप ने महज 27 वर्ष की आयु में ही अकबर के खिलाफ युद्ध लड़ा था। उन्होंने अकबर को नाकों चने चबाने पर मजबूर कर दिया था। भारत

के इतिहास ने हमेशा उनके शौर्य का स्मरण किया है।

हमेशा प्रेरणा प्रदान करता है भारत का वैभव

सीएम योगी ने कहा कि भारत का वैभव हमेशा प्रेरणा प्रदान करता है। वैदिक कालीन भारत, आदर्श भारत, ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित भारत, जहां किसान उत्पादक था, कारीगर उद्यमी और व्यापारी राष्ट्र को जोड़ने का सेतु। ग्राम स्वराज हमारी पहचान थी।

श्रावस्ती में जल्द पूरा होगा बुद्धवनम पार्क का निर्माण, विदेशी पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

योगी सरकार की सतत पर्यटन की नीति के तहत विकसित हो रहा है श्रावस्ती में बुद्धवनम पार्क

- श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल, भूटान, थाईलैंड, चीन और जापान से श्रावस्ती आते हैं पर्यटक**

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। श्रावस्ती देश-प्रदेश का ही नहीं, विश्व में बौद्ध धर्म के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। यही कारण है कि श्रावस्ती में श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल, भूटान, थाईलैंड, चीन और जापान सहित कई देशों से बौद्ध श्रद्धालु और पर्यटक आते रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सतत पर्यटन के विजन के अनुरूप श्रावस्ती में बुद्धवनम पार्क का निर्माण किया जा रहा है। बुद्धवनम पार्क का निर्माण कार्य इस वर्ष जून के अंत तक पूरा होने की संभावना है। इस परियोजना के पूरा होने से प्रदेश में बौद्ध पर्यटकों को नई गति मिलने की उम्मीद है, साथ ही यह पार्क राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक



इंटरप्रिटेशन सेंटर, डॉमेट्री और गेट पिलर के निर्माण कार्य जल्द होंगे पूरे

बुद्धवनम पार्क में आने वाले पर्यटकों को बौद्ध धर्म और क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से बनाए जा रहे इंटरप्रिटेशन सेंटर के कॉलम ढलाई का कार्य प्रगति पर है, जो जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा। इसके अतिरिक्त तैयार की जा रही डॉमेट्री के आंतरिक प्लास्टर और पोलिशिंग का कार्य भी अंतिम चरण में है। साथ ही पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्किंग व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग क्षेत्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इन व्यवस्थाओं के पूरा होने के बाद क्षेत्र की सुंदरता और पर्यटन अनुभव में उल्लेखनीय सुधार होगा। बुद्धवनम पार्क के विकसित होने से श्रावस्ती में बौद्ध पर्यटन को नया आयाम मिलेगा साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

आकर्षक केंद्र के रूप में विकसित होगा। उत्तर प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के नए आयाम विकसित करने

के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से जनपद श्रावस्ती में बुद्धवनम पार्क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत पार्क के लैंडस्केप क्षेत्र में कई प्रमुख संरचनाओं का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। परियोजना के अंतर्गत धर्म चक्र से संबंधित आठ संरचनाओं के आरसीसी फाउंडेशन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। साथ ही म्यूरल वॉल के लिए भी आरसीसी स्ट्रक्चर बन चुका है। इस पर सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। परिसर में बनाए जा रहे सेंटर पाथ-वे और स्टेप गैलरी के लिए ब्रिक वर्क का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। इससे पार्क का मुख्य संरचनात्मक स्वरूप स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। पार्क के आसपास स्ट्रीट ब्यूटीफिकेशन के तहत सड़क के दोनों किनारों पर आरसीसी रिटेंनिंग वॉल का निर्माण, केबल ट्रेंच, स्टोन बोलाई, विशेष लैंप पोस्ट और पाथ-वे पर स्टोन क्लैडिंग जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

राज्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक

जन-जन तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ : नरेन्द्र कश्यप

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में जल निगम गेस्ट हाउस विजयनगर में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के मेरठ मंडल के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री नरेंद्र कश्यप द्वारा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग तथा दिव्यांगजन के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का प्रभावी

क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। बैठक के दौरान अधिकारियों से विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, लाभार्थियों के चयन, तथा जनपद स्तर पर आ रही समस्याओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। मंत्री ने निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार को बढ़ाया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति इनका लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर मेरठ मंडल के पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन विभाग से संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में उपनिदेशक, पिछड़ा वर्ग, द्वारा अवगत कराया गया कि विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनातर्गत जनपद गाजियाबाद में 10417 लाभार्थियों को छात्रवृत्ति उनके खाते में प्रेषित करने की



कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। मंडल में कुल 92079 छात्र छात्राओं को धनराशि प्रेषित की जाएगी। प्रथम चरण में मण्डल में कुल 13011 छात्रों के खातों में धनराशि ₹0 4,67,82,988 अन्तरित जा चुकी है। पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजनातर्गत मंडल में कुल 13188 छात्र छात्राओं को 2 करोड़ 86 लाख 59



जिसमें गाजियाबाद जनपद के 122 लाभार्थी सम्मिलित है ओ लेवल एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना अंतर्गत मंडल में ट्रिपल सी के 149 बच्चों को तथा ओ लेवल के 792 बच्चों को प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है जिसमें गाजियाबाद के ट्रिपल सी के पांच बच्चे पांच छात्र पंच प्रशिक्षण थी तथा ओ लेवल के 152

प्रशिक्षण आरती शामिल हैं जिस पर मंत्री द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई। अन्त में बैठक सध्यन्वाद सम्पन्न हुई। बैठक में मंत्री द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई, जिनमें प्रमुख रूप से दिव्यांग पेंशन योजना, कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना, मोटराइज्ड

ट्राईसाइकिल योजना, दुकान निर्माण एवं संचालन योजना, शादी अनुदान योजना तथा यूडीआईडी कार्ड से सम्बन्धित प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने निर्देश दिए कि 5 अप्रैल को रामलीला मैदान में दिव्यांगजन के लिए एक विशेष विवरण कार्यक्रम आयोजित किया जाए, जिसमें पात्र दिव्यांगजनों को दिव्यांग ट्राईसाइकिल सहित अन्य सहायक उपकरणों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर दिव्यांगजनों के लिए आवश्यक अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। इसके अतिरिक्त मंत्री जी ने मंडल के अंतर्गत विभागीय संस्थाओं में निर्मित भवनों के लोकार्पण के संबंध में भी

निर्देश दिए तथा सभी योजनाओं में लॉबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण का आदेश अधिकारियों को दिए। बैठक में उपनिदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग प्रीति लता, उपनिदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एमपी सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गौतमबुद्धनगर आशीष, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी हापुड़ रीचा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी मेरठ सिद्धांत, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी पीयूष राय तथा जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर लवेश सहित मंडल एवं जनपद स्तर के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दबाव में निखरे जसप्रीत बुमराह, असफलता से नहीं हारे अभिषेक, संजू ने मौके को अंतिम समझकर खेला... वर्ल्ड कप के ये 5 क्रिकेटर रहे हीरो

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की न्यूजीलैंड पर जीत से भारतीयों की ख्वाहिश पूरी हुई। टी20 विश्व कप में अपने खिताब को बरकरार रखने वाली सूर्य कुमार यादव की सेना घरेलू मैदान पर खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई। भारत ने 100,000 उत्साही और तकरीबन पूरी तरह से नीले रंग की जर्सी पहने समर्थकों के सामने न्यूजीलैंड को रनों की बौछार से हरा दिया। न्यूजीलैंड की टीम तकरीबन एकतरफा मुकाबले में 96 रनों से हार गई। इस टीम के हीरो रहे संजू सैमसन , अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, मैन ऑफ द मैच जसप्रीत बुमराह और कप्तान सूर्य कुमार यादव। मंडे मोटिवेशन में जानते हैं इनकी प्रेरक कहानियां, जो हर किसी की जिंदगी का अहम हिस्सा हो सकती हैं।



ईशान किशन: कभी हार नहीं मानने वाला हीरो

भारतीय क्रिकेट में प्रतिभाशाली खिलाड़ी कोई असामान्य बात नहीं हैं। लेकिन ईशान किशन के सफर में जो बात अनोखी है, वह यह है कि इसकी जड़ें झारखंड में हैं। एमएस धोनी के बाद इस युवा खिलाड़ी ने विकेटकीपर बल्लेबाज बनने का फैसला किया। बाएं हाथ के सलामी और विस्फोटक बल्लेबाज किशन पहली बार खबरों में तब आए, जब 2016 में उन्हें ढाका में आयोजित अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय अंडर-19 टीम की कप्तानी सौंपी गई। ईशान किशन ने मार्च, 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल डेब्यू किया। उन्होंने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ सबसे तेज वनडे दोहरा शतक 210 (131 गेंदों में) जड़कर सुर्खियां बटोरीं। ऐसे मौके भी आए, जब ईशान किशन को मानसिक सेहत को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ा। यहां तक कि वो टीम से बाहर भी हो गए। ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की। अब वह टी20 और वनडे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में भी 216 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 25 बॉल पर 54 रन बनाए।

संजू सैमसन: 1 महीने में ही ऐसा कमबैक तो नहीं देखा



संजू सैमसन को आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। इसी साल 31 जनवरी, 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में बेहद निराश हो गए थे, जब टीम मैनेजमेंट की ओर से कहा गया कि संजू की जगह अब शतक लगाने वाले ईशान किशन को विकेटकीपिंग का जिम्मा दे दिया गया। उस मैच में भी संजू सैमसन के बल्ले से महज 6 रन ही निकले थे। टी20 इंटरनेशनल में लगातार 11वीं पारी में संजू सैमसन अर्धशतक लगाने से चूक गए थे। आईसीसी वर्ल्ड कप के इतिहास में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो कि जिस खिलाड़ी को प्लेइंग 11 का हिस्सा बनाने के काबिल ना समझा जाए वो 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनकर निकले। आज वह भारत की जीत के सबसे बड़े नायक हैं। टी-

20 वर्ल्ड कप के तीनों नॉकआउट मुकाबले में उन्होंने एक से बढ़कर एक पारी खेली। संजू सैमसन ने ऐसा कमाल कर दिखाया है कि इसे क्रिकेट इतिहास के सबसे कामयाब कमबैक में काउंट किया जा सकता है। संजू सैमसन ने पहले वर्ल्डअल क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज के खिलाफ 97 रन की नाबाद पारी खेली और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। फिर उन्होंने वानखेड़े में 42 गेंद में 89 रन की पारी खेलकर ये तय किया कि भारतीय टीम फाइनल का हिस्सा बनने जा रही है। इसके बाद अहमदाबाद में संजू ने 89 रन की पारी खेलकर तय किया कि टी-20 वर्ल्ड कप का ताज भारत के पास ही रहेगा। **मुझे पता था कि दोबारा बेहतर होने के लिए मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद मैं टूट गया था। मैं महसूस कर रहा था कि मेरा सपना बिखर गया है। लेकिन शायद ईश्वर के पास कोई और प्लान था।** --: **संजू सैमसन**



जसप्रीत बुमराह: दबाव में भी उमरे

भारतीय टीम के सबसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने जब अहमदाबाद में टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में न्यूजीलैंड के चार बल्लेबाजों का आउट किया, तभी भारत की जीत तय हो गई थी। जसप्रीत बुमराह ने इस जीत को 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में मिली हार की भुझा निकालने के रूप में लिया। उस साल भारत को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। अब टीम ने इसी मैदान पर टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम को डेथ ओवरों के लिए एक दमदार गेंदबाज की सख्त जरूरत थी, ऐसे में जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग के जरिए उभरे और क्रिकेट जगत के लिए वरदान साबित हुए। गुजरात के इस दुबले-पतले तेज गेंदबाज ने मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी में लसिथ मलिंगा के सहायक के रूप में रहते हुए सटीक यॉर्कर फेंकने की कला में महारत हासिल कर ली और सीमित ओवरों के फॉर्मेट में भारतीय टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बन गए। **यह जीत बेहद खास है, क्योंकि मैंने अपने होम ग्राउंड पर पहले भी एक फाइनल खेला था। हालांकि, तब हम जीत नहीं पाए थे। आज जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे पता था कि विकेट काफी सपाट है, इसलिए मुझे अपना पूरा अनुभव इस्तेमाल करना था। इस टूर्नामेंट से पहले मैं ऐसे दौर में था, जहां मुझे लग रहा था कि मैं थोड़ा ज्यादा कोशिश कर रहा हूं। गेंदबाजी अच्छी हो रही थी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि मैं खुद पर ज्यादा दबाव डाल रहा हूं।** --:**जसप्रीत बुमराह**

अभिषेक शर्मा: लय बिगड़ी, मगर हौसला कायम रहा



टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में अभिषेक शर्मा ने तुफानी पारी खेली। उन्होंने 247.61 के स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर 52 रन बनाए। अमृतसर, पंजाब के अभिषेक शर्मा ने तेज और स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, घरेलू क्रिकेट में पंजाब और आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए टॉप-3 में आसानी से अपनी जगह बना ली। वह एक उपयोगी बाएं हाथ के स्पिनर भी हैं जो अपनी बैकस्पिनिंग लेगकटर से बल्लेबाजों को चौंका सकते हैं। 2015-16 में विजय मर्चेंट घरेलू अंडर-16 टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में (जहां उन्होंने सात मैचों में अविश्वसनीय 1200 रन बनाए)। अगले सीजन में भारत के कप्तान के रूप में उन्होंने अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता। वह 2018 में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम का भी अभिन हिस्सा थे, जहां उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ 50 रन बनाए और 11 रन देकर 2 विकेट लिए। दिल्ली डेयरडेविल्स ने उन्हें 2018 की नीलामी में खरीदा और उन्होंने अपने पहले ही आईपीएल मैच में 19 गेंदों में 46 रन बनाए, लेकिन उसके बाद कुछ सीजन तक उनकी लय बिगड़ती रही। 2022 में, सनराइजर्स हैदराबाद के साथ अपने चौथे सीजन में अभिषेक ने 133 के स्ट्राइक रेट से 426 रन बनाए। सबसे यादगार पल वह था जब उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में राशिद खान की 15 गेंदों में 34 रन बनाए।

सूर्यकुमार यादव : टीम इंडिया के सूरज बने



टी-20 वर्ल्ड कप में फाइनल के दौरान जैसे ही टीम इंडिया ने मैच अपने नाम किया, वैसे ही कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पिच की मिट्टी अपने माथे लगा ली। यूपी के गाजीपुर जिले से नाता रखने वाले और मुंबई में पले-बढ़े सूर्य कुमार यादव टीम इंडिया के एक आक्रामक मध्य-क्रम के बल्लेबाज हैं। सूर्या को स्कूप शॉट खेलने का एक्सपर्ट और टी-20 का 'मिस्टर 360' कहा जाता है। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया है। सूर्या कहते रहे हैं- 'मैं हमेशा से कुछ अलग करना चाहता था'। सूर्यकुमार यादव, जिन्हें 'स्काई' के नाम से भी जाना जाता है, हर बार जब भी मैदान पर उतरते हैं, परंपराओं को चुनौती देते हैं और गेंदबाजों को परेशान कर देते हैं। SKY ने मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और छक्का लगाकर अपना पहला अर्धशतक पूरा किया था। सूर्या 2022 टी-20 विश्व कप में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे और उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 2022 का आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार मिला। टी-20 कप्तान बनने के बाद से सूर्यकुमार यादव ने भारत को श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विदेशी सीरीज में जीत दिलाई है। उनकी अगुवाई में इंग्लैंड को घरेलू मैदान पर भी करारी शिकस्त मिली है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा जैसे युवाओं को निडर होकर खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। हालांकि, कप्तानी संभालने के बाद से उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन पहले के मुकाबले उतना बेहतर नहीं रहा है। उन्होंने साथी खिलाड़ियों का मनोबल जरूर बढ़ाया। उन्होंने अपनी कप्तानी में यह टीम इंडिया को वर्ल्ड कप विजेता बनाया।

भारत मंडपम में न्यायिक सुधार पर वैश्विक मंथन

12वीं एशियन व पैसिफिक रीजनल कॉन्फ्रेंस में अभियोजन तंत्र की सुदृढ़ता पर विस्तृत संवाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। न्यायिक सुधार, अभियोजन तंत्र की सुदृढ़ता और तकनीक आधारित न्याय प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वैश्विक स्तर पर मंथन के उद्देश्य से ऑल इंडिया प्रॉसिक््यूटर्स एसोसिएशन (APA) द्वारा आयोजित 12वीं एशियन व पैसिफिक रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में केन्द्रीय विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल सहित विभिन्न देशों के विधि विशेषज्ञों, अभियोजकों और न्यायिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी बनाने पर



12वीं एशियन व पैसिफिक रीजनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य बिंदु

- ▶ भारत मंडपम, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
- ▶ एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अभियोजकों और विधि विशेषज्ञों की सहभागिता
- ▶ न्यायिक सुधार और अभियोजन तंत्र की मजबूती पर चर्चा
- ▶ तकनीक आधारित न्याय प्रणाली और ई-कोर्ट्स पर विशेष बल

विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के दौरान न्यायिक प्रणाली में सुधार, अभियोजन व्यवस्था की मजबूती तथा आधुनिक तकनीक के उपयोग के



कि किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की मजबूती उसकी न्याय व्यवस्था पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार न्यायिक क्षेत्र में नवाचार, डिजिटल तकनीक और संस्थागत सुधारों को निरंतर आगे बढ़ा रही है। ई-कोर्ट्स और डिजिटल न्याय प्रणाली जैसे कदम न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि न्याय हर नागरिक तक सुलभ हो और त्वरित रूप से उपलब्ध हो, ताकि समाज में न्याय के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। सम्मेलन में विभिन्न देशों से आए विधि विशेषज्ञों और अभियोजकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए न्यायिक व्यवस्था के समक्ष उपस्थित चुनौतियों तथा उनके समाधान पर विचार व्यक्त किए।

‘भारत की विश्व विरासत: राजस्थान’ प्रदर्शनी में इतिहास और संस्कृति का भव्य संगम

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में राष्ट्रीय अभिलेखागार की पहल, राजस्थान की विश्व धरोहर और महान विभूतियों की गाथा एक ही छत के नीचे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

जोधपुर। राजस्थान की गौरवशाली सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और स्थापत्य विरासत को समर्पित 'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान' विषयक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में किया गया है। यह प्रदर्शनी संस्कृति मंत्रालय के राष्ट्रीय अभिलेखागार के तत्वावधान में आयोजित की गई है, जो आगामी दस दिनों तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी की विशेषता यह है कि इसमें राजस्थान की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर और स्थापत्य वैभव को एक ही मंच पर समग्र रूप में प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल राजस्थान के प्रसिद्ध दुर्गों—*चित्तौड़गढ़, कुम्भलगढ़, रणथम्भौर, आमेर, जैसलमेर और गागरोन—की ऐतिहासिक महत्ता और स्थापत्य विशेषताओं को विशेष रूप से दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त जयपुर के



प्रदर्शनी की प्रमुख विशेषता व झलकियाँ

- ✳ यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल राजस्थान के प्रमुख दुर्गों का प्रदर्शन
- ✳ जयपुर के जंतर-मंतर और नगर विरासत की झलक
- ✳ रानी पद्मिनी, मीरा बाई, महाराणा प्रताप और राणा कुम्भा की गौरवगाथा
- ✳ मेहरानगढ़ और जालौर दुर्ग से जुड़ी ऐतिहासिक सामग्री
- ✳ ओसियां के प्राचीन मंदिरों की स्थापत्य परंपरा का प्रदर्शन

जंतर-मंतर तथा नगर विरासत को भी प्रदर्शनी में प्रमुख स्थान दिया गया है, जो राजस्थान की वैज्ञानिक दृष्टि और



राजस्थान की अन्य गौरवशाली धरोहर

- ✳ जयपुर का जंतर-मंतर – खगोल विज्ञान की अद्भुत वैज्ञानिक विरासत
- ✳ मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर) *मारवाड़ के इतिहास और वैभव का प्रतीक
- ✳ जालौर दुर्ग – प्राचीन राजपूत सामरिक शक्ति का केंद्र
- ✳ ओसियां के प्राचीन मंदिर – राजस्थान की प्राचीन धार्मिक और स्थापत्य परंपरा के उत्कृष्ट उदाहरण

ऐतिहासिक विभूतियों- रानी पद्मिनी, संत मीरा बाई, महाराणा प्रताप और राणा कुम्भा के जीवन और उनके

अद्वितीय योगदान से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेज, चित्र और विवरण भी प्रदर्शित किए गए हैं। साथ

जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था पर संसद में उठा सवाल

फारूक अब्दुल्ला पर हमले का मुद्दा उठाते हुए खड़गे ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। चार दिशाएं संवाददाता। कग्रिस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने संसद में जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हाल ही में वरिष्ठ नेता पर हुए हमले की घटना अत्यंत चिंताजनक है और इससे वहां की कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। राज्यसभा में अपने वक्तव्य के दौरान खड़गे ने कहा कि जब जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त था, तब प्रशासनिक व्यवस्था अलग ढंग से संचालित होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य का दर्जा समाप्त होने के बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि



प्रमुख राजनीतिक नेताओं और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। खड़गे ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ऐसी घटनाओं को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए यह चिंताजनक संकेत हो सकता है। कग्रिस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से

आग्रह किया कि जम्मू-कश्मीर में शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में प्रशासनिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि देश की एकता, संविधान के मूल्यों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राजस्थान के यूनेस्को विश्व धरोहर दुर्ग : शौर्य, स्थापत्य और इतिहास की अमर गाथा

राजस्थान अपने भव्य दुर्गों और ऐतिहासिक स्थापत्य के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यूनेस्को ने 'हिल फोर्ट्स ऑफ राजस्थान' शीर्षक के अंतर्गत राज्य के छह प्रमुख दुर्गों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है। ये दुर्ग केवल सैन्य शक्ति के प्रतीक नहीं, बल्कि राजपूत शौर्य, स्थापत्य-कौशल और सांस्कृतिक परंपरा के अद्वितीय उदाहरण हैं। **चित्तौड़गढ़ दुर्ग** : राजस्थान का सबसे विशाल और ऐतिहासिक दुर्ग।यह रानी पद्मिनी, महाराणा प्रताप और वीरता की गाथाओं के लिए प्रसिद्ध है। **कुम्भलगढ़ दुर्ग** : महाराणा कुम्भा द्वारा निर्मित यह दुर्ग अपनी विशाल परकोटा दीवार के लिए जाना जाता है, जिसे अक्सर 'भारत की महान दीवार' भी कहा जाता है। **रणथम्भौर दुर्ग** : घने जंगलों के मध्य स्थित यह दुर्ग प्राचीन राजपूत शक्ति का प्रतीक है और आज रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान के साथ ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। **आमेर दुर्ग** : जयपुर के निकट स्थित यह दुर्ग अपनी भव्य राजपूत-मुग़ल स्थापत्य शैली और कलात्मक महलों के लिए प्रसिद्ध है। **जैसलमेर दुर्ग** : रेगिस्तान के मध्य स्थित यह 'स्वर्ण दुर्ग' पीले पत्थरों से निर्मित है और आज भी जीवंत किलेबंद नगर के रूप में अपनी अनूठी पहचान बनाए हुए है। **गागरोन दुर्ग** : यह दुर्ग जल-दुर्ग का अद्भुत उदाहरण है, जो तीन ओर से नदियों से घिरा हुआ है और मध्यकालीन स्थापत्य का उत्कृष्ट नमूना माना जाता है।

ही मेहरानगढ़ दुर्ग, जालौर दुर्ग और ओसियां के प्राचीन मंदिरों से संबंधित दुर्लभ ऐतिहासिक सामग्री भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस अवसर पर, सांसद जोधपुर तथा केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, ने कहा कि राजस्थान की विरासत केवल राज्य की पहचान नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक अस्मिता का गौरवपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी नई पीढ़ी को अपने इतिहास और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनती है। उन्होंने

यह भी कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और जन-जन तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार निरंतर प्रयासरत है और इस प्रकार के आयोजनों से समाज में इतिहास और संस्कृति के प्रति जागरूकता को नई ऊर्जा मिलती है।

प्रतिस्पर्धा के युग में सभी क्षेत्रों का ज्ञान होना जरूरी : जयंत चौधरी

मोदी फाउंडेशन के आशीर्वचनम कार्यक्रम में छात्रों को केंद्रीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने किया संबोधित



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि आज के तकनीकी और प्रतिस्पर्धा के युग में कामयाबी हासिल करने के लिए युवाओं को सभी क्षेत्रों का ज्ञान रखने के साथ-साथ एक विषय पर अनुशासन के साथ विशेष फोकस बनाए रखना होगा, तभी वह सफल हो पाएंगे। जयंत चौधरी ने गुरुवार को डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित आशीर्वचनम

कार्यक्रम के तहत कौशल विकास एवं उद्यमिता केंद्र के उद्घाटन के दौरान बतौर मुख्य अतिथि छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज परीक्षा की होड़ सी लग गई है। अभिभावकों को परीक्षा का बच्चों पर ज्यादा दबाव नहीं बनना चाहिए और बच्चों पर परीक्षा का बोझ ना लादे क्योंकि अब तो हर कदम पर परीक्षा होनी है। जयंत चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने भी इस बार के बजट में शिक्षा के क्षेत्र को बड़ा बजट दिया है और इस बजट में कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया



गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र के साथ उत्तर प्रदेश सरकार भी शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम कर रही है। पहले के मुकाबले स्कूली क्षेत्र में ज्यादा विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश के विकास के क्षेत्र में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण योगदान है। बागपत-मोदीनगर लोकसभा के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने मोदीनगर में तिब्बट रोड पर रेलवे फाटक पर जल्द ही फुट ओवरब्रिज और सीकरी रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण शुरू

होने की घोषणा की। भाजपा क्षेत्रीय विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि शिक्षा और संस्कारों से ही समाज को सही दिशा मिलती है और ऐसे आयोजन समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करते हैं। संस्थान के अध्यक्ष प्रो. डॉ. डीके मोदी ने कहा कि डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय मोदीनगर का शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन के अंतर्गत आने वाले सभी संस्थानों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल और आर्थिक रूप से कमजोर

छात्र-छात्राओं को विश्वस्तरीय शिक्षा देना और महिला सशक्तिकरण है। हमारा विशेष ध्यान हमेशा से उद्यमिता कौशल विकास पर रहा है। फाउंडेशन के गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में 2007 से छात्राओं के लिए इस प्रकार के कई कार्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। वर्ष 2015 में डॉ. केएन मोदी सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट की स्थापना की गई, जहां 22 से अधिक जॉब रोल्ट्स में प्रशिक्षण दी जाती है। 10 हजार से अधिक छात्रों को ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रदान किया जा चुका है। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. डॉ. डीके मोदी और मानव मोदी ने अतिथियों का प्रतीक चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। वहीं मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिए गए। संचालन फाउंडेशन के वाइस प्रेजिडेंट राजीव सक्सेना ने किया। रेनु मोदी, निधि मोदी, नव्या मोदी, वेदा मोदी, मेघराज शर्मा, डॉ. शशि नायर, डॉ. संजय गुप्ता, यूएन मिश्रा, रालोद जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी, नगराध्यक्ष मनोज त्यागी, अमरजीत बिष्टो, जयदीप चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में विद्यालय के पूर्व छात्र लोचन चौधरी जो भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्त हुए हैं उनके सम्मान में अभिनंदन व आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि उनकी विधानसभा का छाया पब्लिक स्कूल एक ऐसा विद्यालय है, जिसने हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज कराई है। जहां

खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर व जूनियर एशियाड में बच्चे स्वर्ण पदक जीत रहे हैं साथ ही रियलिटी शो केबीसी जैसे प्रसिद्ध शो के विजेता रहे हैं। देश का सबसे बड़ा ऑपरेशन ऑपरेशन सिंदूर में भी उनके छात्र आदित्य द्वारा पूरे ऑपरेशन को लीड कर विधानसभा का नाम रोशन किया है। लोचन चौधरी पर भी विश्वास ही नहीं पूरा भरोसा है कि राष्ट्रीय स्तर पर मोदीनगर का नाम इन बच्चों की तरह रोशन करेंगे। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने कहा कि लोचन चौधरी शहर के लिए एक बड़ी

उपलब्धि हैं और इनसे प्रेरणा पाकर मोदीनगर के युवा देश सेवा के क्षेत्र में आगे आएंगे। विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी ने लोचन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य डॉ अरुण त्यागी ने बताया कि लोचन पहली कक्षा से ही हर क्षेत्र में अव्वल रहा है। शिक्षा ही नहीं वह सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रालोद नगर अध्यक्ष मनोज त्यागी, वीरेंद्र चौधरी, संजय चौधरी, भीष्म शर्मा, सुमन रानी आदि लोग मौजूद रहे।

गन्ना किसानों से नई प्रजाति के बीज के इस्तेमाल का आह्वान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। बीज उत्पादन अधिकारी गाजियाबाद सना आफरीन ने गुरुवार को मोदीनगर गन्ना समिति परिक्षेत्र की पौधशालाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वह 0238 से

परेहज कर नई प्रजाति के बीज का इस्तेमाल करें। 0238 में विभिन्न प्रकार की बीमारियां मिली है। बीज उत्पादन अधिकारी सना आफरीन ने भोजपुर, पट्टी, अव्वलपुर, जहांगीरपुर आदि गांवों में जाकर पौधशालाओं का बारीकी से जायजा लिया। उनका कहना है कि नई

प्रजाति के बीज से किसानों को उत्पादन बढ़ेगा। उन्होंने पौधशाला धारकों से किसानों को जागरूक करने का आह्वान किया। इस मौके पर सुमित कुमार पांडेय ज्येष्ठ गन्ना विकास अधिकारी, नीरज कुमार, देवेंद्र कुमार, अनिल कुमार, विपिन कुमार सहित किसान मौजूद रहे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। आईफा आर्ट गैलरी में स्पेक्ट्रम ऑफ क्रिएटिविटी नाम से कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू सिवाच, विशिष्ट अतिथि स्वामी आरोग्यनाथ (पतंजलि मोदीनगर) दिल्ली के प्रसिद्ध कलाकार शंभू नाथ गोस्वामी, स्वदेश जैन, अरुण राघव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कला प्रदर्शनी में आईफा संस्थान के 11 युवा कलाकार के समूह (ऑटिज्म कलेक्टिव) ने अपनी कला प्रदर्शनी प्रदर्शित की। इस प्रदर्शनी में युवा कलाकारों द्वारा समकालीन कला से जुड़ी कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी में अलग-अलग शैलियों और



विचारों की झलक देखने को मिली। आयोजकों के अनुसार, कला प्रदर्शनी का उद्देश्य कला माध्यम से भावनाओं और विचारों के विभिन्न आयामों को सामने लाना है। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि एवं कला प्रेमियों ने

गैलरी में लगी कलाकृतियों को बारीकी से देखा और कलाकार द्वारा बनाई गई कलाकृति बारीकियों के बारे में विस्तार से कलाकार से चर्चा की। संस्थान के मैनेजर डॉ. संघर्ष शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों

को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप बांस ने युवा कलाकारों के उत्साहवर्धन के लिए सभी कलाकारों को सम्मान प्रतीक चिन्ह लेकर सम्मानित किया। उन्होंने

प्रदर्शनी में मंच संचालन अपनी ने किया। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी भीतेंद्र कुमार, अमित कुमार बंसल, डॉ रूचि विद्यार्थी, दीपांशु, आभा शर्मा, राधिका का सफल बनाने में सहयोग रहा।

सिलाई मशीन पाकर छात्राओं के खुशी से खिले चेहरे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज मोदीनगर में एनएसएस द्वारा आयोजित सात दिवसीय कौशल एवं सामाजिक सेवा शिविर के पांचवें दिन एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं को 80 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। सिलाई मशीन पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल गए। यह सिलाई मशीन नव्या मोदी एवं उनके सहयोगी विद्यार्थियों कायरा अजोई, रियाना मलिक, जिवा



खन्ना तथा वैदया मोदी द्वारा धनराशि एकत्रित कर वितरण की गई।

कार्यक्रम में सिंगर सिलाई मशीन कंपनी का विशेष सहयोग प्राप्त

हुआ। जिन छात्राओं को सिलाई मशीनों प्रदान की गई, उन्हें सिंगर कंपनी द्वारा तीन माह का निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण भी दिया गया है। साथ ही सिलाई कार्य से संबंधित सभी आवश्यक किट्स भी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस शिविर में हिस्सा ले रही स्वयं सेविकाओं ने फैशन शो के दौरान अपनी कला की छटा बिखेरी। कार्यक्रम में कॉलेज के अध्यक्ष प्रो. डॉ. डीके मोदी, रेनु मोदी, निधि मोदी, प्राचार्य डॉ. पूनम शर्मा तथा एडवाइजर रीता बख्शी, मेघराज शर्मा, तरुण कुमार, शिखा गर्ग आदि मौजूद रहे।

नशा मुक्तिको लेकर शहर में निकाली गई जागरूकता रैली

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नशा मुक्ति को लेकर शहर में शुक्रवार को जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों को नशीले पदार्थ के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने छात्रों को नशीले पदार्थ से दूर रहने की शपथ दिलाई। रैली मोदी मंदिर से शुरू हुई। जिसमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, एनसीसी कैडेट्स, निष्काम सेवा जत्था, गिन्नी देवी मोदी पीजी कॉलेज की छात्राएं सहित विभिन्न स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने हाथ में होर्डिंग व बैनर ले रखे थे, जिनपर नशीले पदार्थ से दूर रहने के स्लोगन लिखे थे। लोगों को नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। रैली दिल्ली-मेरठ मार्ग से होते हुए आईफा इंस्टीट्यूट पर संपन्न हुई। यहां छात्रों ने नशीले पदार्थ के दुष्प्रभाव को लेकर नुककड़ नाटक पेश किया। जिसके माध्यम से बताया गया कि नशीले पदार्थ का सेवन पूरे परिवार को खराब कर देता है। अंत में छात्रों को शपथ दिलाई गई। इस मौके पर एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा, एसएचओ मोदीनगर आनंद प्रकाश मिश्रा, जसमीत सिंह, प्रदीप बोस, भीमप्रेम सिंह, राज वर्मा, राजेंद्र कौशिक, अनुप्रीत कौर आदि उपस्थित रहे।

॥ विशुद्ध हवन सामग्री ॥

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, बालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाडवेर, मालकांगनी, किंशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पठानी, बेल गिरी, गुग्गुलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता

॥श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ॥

रैपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेरठ रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।